RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार, 26 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 350 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

इजराइल: पीएम मोदी का नेतन्याहू ने किया गर्मजोशी से स्वागत

नेसेट में नेतन्याहू बोले- भारत इस्राइल का महान दोस्त, मोदी मेरे लिए मित्र से बढ़कर भाई, नेतन्याहू बोले- मेरे प्यारे दोस्त, आपके आने से भावुक हूं

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचने पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पहुंच कर उनका स्वागत किया। मोदी को स्पेशल गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक एक खास और दिल को छू लेने वाले अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ। नौ साल में यह उनका इजराइल का दूसरा दौरा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यात्रा और द्विपक्षीय चर्चा से भारत-इजराइल मित्रता को मजबूत करने वाले सार्थक परिणाम आएंगे। दूसरी ओर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने अच्छे दोस्त, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया, जो इजराइल के एक और ऐतिहासिक दौरे पर आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले 2017 में इजराइल का दौरा किया था और बाद में वे भी भारत दौरे पर गए थे। हमारे बीच करीबी व्यक्तिगत रिश्ते हैं। हम अक्सर बात करते हैं। उनका मानना है कि हमारे बीच गहरी दोस्ती हमारे दोनों देशों के

भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों में निरंतर सहयोग करने की जरूरत

यह संबंध पारस्परिक विश्वास, साझा प्राथमिकताओं और भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों में निरंतर बढ़ते सहयोग पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय दो दिन के इस्राइल दौरे पर हैं। इस्राइल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू खुद उनका स्वागत करने पहुंचे थे। उनकी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही विमान से नीचे उतरे और उनके समकक्ष नेतन्याहू ने हाथ जोड़कर और गले मिलकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय सारा नेतन्याहू भी वहां पर मौजूद थीं। उन्होंने भी पीएम से हाथ मिलाया। तभी नेतन्याहू ने पीएम मोदी के पॉकेट स्क्वायर के रंग और पत्नी सारा की ड्रेस के रंग की ओर इशारा किया। इस पर पीएम मोदी ने कहा- हां, हां...भगवा (यस, यस...सेफ्रॉन)।

भारत-इजराइल में हथियारों की डील पर बातचीत संभव

पीम मोदी के इस दौरे पर भारत और इजराइल के हथियारों से जुड़ी डील पर बातचीत की संभावना है। इनमें ड्रोन और एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम शामिल हैं। इजराइली अखबार, द जेरूसलम पोस्ट ने पीएम मोदी के दौरे पर उनके स्वागत के लिए एक खास फ्रंट पेज छापा। फ्रंट पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ हिंदी में लिखा नमस्ते नजर आ रहा है। वहीं उसके बगल में हिब्रू भाषा में भी शालोम लिखा है, जिसका मतलब हेलो या नमस्ते है। इसका दूसरा अर्थ शांति भी होता है।

बीच के रिश्तों को और मजबूती से दिखाती है। उन्होंने आगे के कार्यक्रम बताए कि हम नेसेट (संसद) में आयोजित एक औपचारिक स्वागत समारोह में भाग लेंगे, यरुशलम में आयोजित एक नवाचार कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे तथा प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इजराइल रणनीतिक एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग स्थापित है।

सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजराइल दौरे पर हैं। वे इजराइली संसद नेसेट पहुंचे हैं। थोड़ी देर में यहां उनका संबोधन होगा। नेसेट पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे लगाए। नेसेट को संबोधित करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। मोदी से पहले इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी इजराइल के ग्रेट फ्रेंड हैं। इजराइली पीएम ने कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही पीएम मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है।

मौजूदा समय में भारत इजराइल का सबसे बड़ा रक्षा खरीदार

प्रधानमंत्री मोदी के इस्राइल दौरे के सबसे अहम बिंदु रक्षा और सुरक्षा पर होने वाले समझौते होंगे। भारत इस क्षेत्र में हथियार खरीद से लेकर उन्नत तकनीक हासिल करने पर जोर दे सकता है।

मौजूदा समय में भारत इस्राइल का सबसे बड़ा रक्षा खरीदार है। इस दौरे पर 2026 के लिए 8.6 अरब डॉलर के हथियार सौदों को मंजूरी मिल सकती है, जिसमें सटीक निशाना लगाने वाले युद्धक हथियार, मिसाइलें और बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियां शामिल हैं। उन्नत तकनीक की खरीदः इस समझौते के तहत भारत को इस्राइल के उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों तक पहुंच मिल सकती है, जिसमें अत्याधुनिक लेजर-आधारित आयरन बीम शामिल है। साथ ही गोल्डन होराइजन एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल पर भी चर्चा हो सकती है। इस मिसाइल को ब्रह्मोस से भी तेज बताया जाता है।

बरसाना में नंदगांव के हुरियारों पर बरसीं प्रेम पगी लाठियां, जयकारों से गूंजा शहर

मथुरा।

राधारानी की नगरी बरसाना बुधवार को पूरी तरह से रंगोत्सव के उल्लास में डूबी नजर आई। शाम करीब पांच बजे विश्वप्रसिद्ध लठामार होली खेली गई, जहां नंदगांव के हुरियारों पर बरसाने की हुरियारिनों ने प्रेम पगी लाठियां बरसाईं। होली के उल्लास में छतों से लेकर सड़क तक हर कोना अबीर-गुलाल से सराबोर था और हर तरफ केवल राधा-कृष्ण के जयकारे गूंज रहे थे। योगी सरकार ने रंगोत्सव को भव्य रूप देते हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अनूठी होली का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब बरसाना में उमड़ पड़ा।

प्रिया कुंड पर दामाद सा सत्कार और श्रीजी से ली आज्ञा

नंदगांव के हुरियारों के बरसाना पहुंचने पर प्रिया कुंड पर उनका भव्य स्वागत किया गया। बरसानावासी कृष्ण के सखाओं को दामाद के रूप में देखते हैं, इसलिए उसी आत्मीय भाव से उन्हें मिठाई, पकोड़े, ठंडाई और भांग परोसी गई। इसके बाद हुरियारों ने अपनी पाग (पगड़ी) बांधी और ब्रह्मांचल पर्वत स्थित श्री लाडली किशोरीजी के मंदिर पहुंचकर राधा रानी से होली खेलने की अनुमति ली।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

राहत आयुक्त/अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ हृषिकेश भास्कर यशोद ने दी जानकारी

वाराणसी में 33300, प्रयागराज को मिलेगा 12267 लाइफ जैकेट

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ / प्रयागराज । प्रदेश की नदियों में संचालित पंजीकृत नावों के नाविकों तथा यात्रियों की सुरक्षा हेतु उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा पीएसी के माध्यम से 38 जनपदों के पंजीकृत नौकाओं के स्वामियों को लाइफ जैकेट वितरित किये जायेंगे।

वाराणसी में सर्वाधिक 33300, प्रयागराज में 12267, मिजार्पुर में 5437, मऊ में 3394, बलिया में 1844, हापुड़ 1462 व कौशांबी में 970 लाइफ जैकेट वितरण होगा।

इसके लिए संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के नियंत्रण में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को नोडल अधिकारी नामित करते हुए 15 दिनों के भीतर स्थानीय जन प्रतिनिधियों के समक्ष लाइफ जैकेट वितरित करने का निर्देश राहत आयुक्त द्वारा जारी किया गया है।

राहत आयुक्त/अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि पीएसी की ओर से निविदा आमंत्रित करते हुए 38 जनपदों के 811 घाटों पर संचालित 4175 पंजीकृत नौकाओं के लिए 66077 लाइफ जैकेट क्रय

किया गया है। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा मोचक निधि से पीएसी को 13 करोड़ 21 लाख 54 हजार रुपए की धनराशि निर्गत की गयी है।

राहत आयुक्त/अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि

लाइफ जैकेट वितरित करने के लिए पीएसी तथा यूपीएसडीएमए द्वारा समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। लाइफ जैकेट वितरण के सम्बन्ध में पीएसी से पत्राचार करते हुए 15 दिनों के भीतर लाइफ जैकेट वितरित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि पी0ए0सी0 तथा उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम द्वारा लाइफ जैकेट की गुणवत्ता की जांच नियमानुसार लैब से करायी गयी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में बढ़ते जल परिवहन एवं पर्यटन के दृष्टिगत आम जनमानस व यात्रियों की जीवन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है'

राहत आयुक्त ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित बोट सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर नावें पंजीकृत हैं। इनसे संबंधित नाविकों को नाव पर यात्रियों की बैठने की क्षमता के अनुसार कुल 66077 लाइफ जैकेट वितरित किया जायेगा।

गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करें- एएसपी

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । दुर्गा भाभी सभागार, पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 107 के अंतर्गत गठित विशेष किशोर पुलिस इकाई (रखढव) की मासिक समीक्षा/समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम, बाल विवाह रोकथाम करने एवं ढडउरड अू३ से संबंधित प्रकरणों में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

साथ ही जनपद में गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, जे.जे. एक्ट से संबंधित आदेश-निदेर्शों के प्रभावी अनुपालन तथा जनजागरूकता अभियान संचालित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में प्रभारी अल्लढव, प्रभारी रखढव, महिला सेल में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी, जनपद के समस्त थानों में नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी/सहायक बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, सीडब्ल्यूसी सदस्य, जे.जे.बी. सदस्य, बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड लाइन के सदस्य उपस्थित रहे।

रुपए देकर नाबालिग से विवाह करने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 6 अगस्त 2025 को थाना करारी पर एक वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरा बेटा व बहू द्वारा रघुवीर व अन्य लोगों के साथ मिलकर मेरी 14 वर्षीय पुत्री का बाल विवाह अलीगढ़ निवासी सत्येन्द्र जिसकी उम्र 35 वर्ष है, के साथ कर दिया है तथा उससे लाखों रुपए ले लिये । प्राप्त सूचना के आधार पर थाना करारी पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पंजीकृत किया गया था । घटना से सम्बन्धित 2 अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुये जेल भेजा जा चुका है ।

बुधवार को थाना करारी पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सत्येन्द्र पुत्र बनवारी निवासी मोहोकमपुर थाना इगलास जनपद अलीगढ़ को गिरफ्तार किया गया ।

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास से जुड़े संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करें - राजेश सिंह

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। बुधवार को पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में जनपद स्तरीय नार्को को-ऑर्डिनेशन सेंटर (ठउडफ्ळ) समिति की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा की गई।

इस दौरान जनपद में मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु बहु-विभागीय समन्वय को सुदृढ़ बनाने, अवैध मादक पदार्थों के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने पर बल दिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध संयुक्त प्रवर्तन कार्यवाही, नियमित निरीक्षण, खुफिया तंत्र की सक्रियता एवं जनसहभागिता के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। नशा मुक्ति एवं पुनर्वास से जुड़े संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर जरूरतमंद व्यक्तियों को उचित परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना भी तैयार की गई।

बैठक में जिला आबकारी अधिकारी, ड्रग विभाग के अधिकारी, आबकारी निरीक्षक, एएचटीयू प्रभारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद पुलिस का संकल्पः मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर कठोर कार्यवाही एवं समाज को नशा मुक्त बनाने हेतु सतत अभियान।

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। क्षेत्राधिकारी लाइन/कौशाम्बी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय द्वारा पुलिस लाइन कौशाम्बी में बुधवार की परेड की सलामी ली गई। इस अवसर पर टोलीवार परेड का निरीक्षण कर परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों के टर्नआउट का अवलोकन किया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों को दौड़, पीटी अभ्यास एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई।

परेड उपरांत महोदय द्वारा पुलिस लाइन स्थित मेस , आरटीसी बैरकों, प्रशिक्षण कक्ष, विभिन्न शाखाओं, डीसीआर, शस्त्रागार, डायल-112 कार्यालय, परिवहन शाखा, प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय, पुलिस बैरकों आदि का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ओवरलोड 13 वाहनों का चालान, 15 लाख जुमार्ना वसूला गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार के निर्देश पर असोथर पुलिस ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चला कर बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 ओवरलोड वाहनों का चालान कर 15 लाख 80 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया।

देर रात थाना असोथर पुलिस व खनन एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा गिट्टी/मोरंग/बालू के अवैध खनन, अवैध भंडारण, अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाये गये संयुक्त अभियान के क्रम में कुल 13 वाहनों का चालान किया गया । उक्त कार्यवाही से 15, 84,980/- रुपये का राजस्व वसूल किया गया ।

अनियंत्रित स्कूल बस ने छात्र को कुचला मौके पर ही मौत

आक्रोशित परिजनों ने लगाया जाम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार के समीप बुधवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार छात्र की जान चली गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कूल बस ने छात्र को पीछे से टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे के बाद चालक बस समेत मौके से फरार हो गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाने के सामने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

संदीपन घाट थाना क्षेत्र के गौसपुर गांव निवासी गया प्रसाद खेती-किसानी कर अपने परिवार का गुजारा करते हैं। उनका १९ वर्षीय पुत्र पवन कुमार बुधवार की दोपहर घर से साइकिल पर सवार होकर कंप्यूटर कोचिंग के लिए पुरानी बाजार जा रहा था। जैसे ही वह बाजार के समीप पहुँचा पीछे से आ रही एक निजी स्कूल की बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक नियंत्रण खो बैठा। टक्कर लगने के बाद पवन सड़क पर गिर गया और बस का पहिया उसके सिर को कुचलते हुए निकल गया। पवन की मौके पर ही हृदयविदारक मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते स्थानीय लोगों का मजमा लग गया। इस बीच मौका पाकर चालक वाहन समेत भागने में सफल रहा।सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और परिजनों को सूचित किया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुँच गए। पुलिस की कार्यप्रणाली और बेलगाम वाहनों पर नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों ने पूरामुफ्ती थाने के सामने मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया।करीब आधे घंटे तक चले हंगामे और नारेबाजी के बाद पुलिस प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बस की बरामदगी का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

फरियादियों को मिले न्याय, कप्तान ने ऑनलाइन किया फरियादियों से संवाद

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जनपद में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से संवाद स्थापित किया जा रहा है।

इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जा रहा है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हो, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें समय पर न्याय मिल सके। तकनीक के इस प्रयोग से न केवल पुलिसिंग में पारदर्शिता आई है, बल्कि आम जनमानस का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है।

तीन दम्पति को एक साथ रहने हेतु किया गया राजी

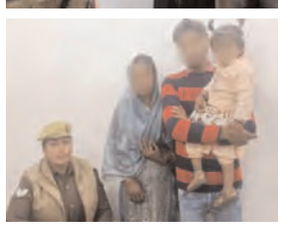

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के निर्देशन में वैवाहिक विवादों का त्वरित निस्तारण करने हेतु महिला सैल/परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा प्रयास किया जा रहा है जिसके क्रम में बुधवार को पति-पत्नी के परिवारिक विवाद सम्बन्धी मामले में दोनों पक्ष के लोग उपस्थित आये। महिला सैल/परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए 03 प्रार्थना पत्र में दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा आपस में एक-दूसरे को विश्वास दिलाया गया कि हम दोनों नवजीवन की नई शुरूआत करते हुए हंसी-खुशी अपना जीवन यापन करेगें। प्रभारी महिला सैल/काउंसलरों द्वारा दंपति को नवजीवन की शुरूआत की शुभकामनाएं देते हुए समझाया गया कि बीती बातों को लेकर विवाद नही करेंगे और आपस में प्यार से रहेगें।

संदीपन घाट थाना प्रभारी ने होली व रमजान के त्यौहार के पूर्व अर्ध सैनिक बल के साथ किया क्षेत्र में फ़्लैग मार्च

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना प्रभारी इंद्रदेव ने आगामी पर्व होली एवं रमजान माह को शांतिपूर्ण,सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मूरतगंज,कशिया पूर्व,चिकवन के पूर्वा व आदि गांवों क्षेत्र एवं कस्बा में अर्ध सैनिक बल के जवानों के साथ फ्लैग मार्च किया इस दौरान पुलिस बल ने प्रमुख चौराहों,बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया।

फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम करते हुए असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया गया

कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा संदीपन घाट प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे,शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

साथ ही आमजन से अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें,सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।व इस मौके पर मूरतगंज चौकी प्रभारी कालिका प्रताप सिंह आदि पुलिस बल मौजूद रहे।

पांच वारण्टी अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस द्वारा एनआई एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त कमलेश कुमार पुत्र गंगा प्रसाद निवासी सिराथू, दिनई पुत्र महादेव , बबलू पुत्र दिनई निवासीगण भड़ेहरी थाना सैनी, हरिओंम पुत्र कुवांरे निवासी मोहरी बाग मजरा गोविन्दपुर गोरियों थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा मारपीट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त भुग्गन पुत्र मिठाई लाल निवासी जड़ियन टोला थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी को किया गिरफ्तार।

एसडीएम और सीओ द्वारा थाना पहासू की कस्बा चौकी परिसर में की गयी पीस कमेटी की मीटिंग

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार थाना पहासू की कस्बा चौकी परिसर में उपजिलाधिकारी शिकारपुर श्री अरूण कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी शिकारपुर श्री शशांक श्रीवास्तव द्वारा रमजान व आगामी होली पर्व के दृष्टिगत आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने हेतु सर्व-समाज की बैठक आयोजित की गयी जिसमे सभी वर्गो के लोगों द्वारा भाग लिया गया। गोष्ठी मे उपस्थित अधिकारीगण द्वारा सभी लोगो से मिलजुल कर रहने तथा त्यौहारो को शान्तिपूर्ण रुप से मनाने एवं आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने की अपील की गयी जिस पर गोष्ठी मे मौजूद सभी वर्गो के संभ्रान्त लोगो द्वारा मिल जुलकर रहने व शान्ति बनाये रखने का आश्वासन दिया गया।

संतो के सम्मान पर आंच बर्दाश्त नहीं - गौरव पाण्डेय

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। मंझनपुर स्थित जिलाधिकारी मुख्यालय पर कांग्रेसियों ने शंख और मंत्रो के उदघोष के साथ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा इस दौरान जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से बौखलाई हुई है जिस प्रकार से हमारे संतों का अपमान किया जा रहा है वो बर्दाश्त के योग्य नहीं है शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी के खिलाफ साजिश रच कर उनके खिलाफ पास्को जैसे घिनौने मुकदमे में फंसा कर उनकी छवि को धूमिल कर रही है ! भाजपा सरकार सनातनी होने का ढोंग करती है ये सनातन धर्म का अपमान करती है प्रयागराज में पास्को एक्ट की मुकदमे की जांच को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद ने सवाल उठाए मंगलवार को उन्होंने एक तस्वीर जारी कर प्रयागराज के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा और वादी आशुतोष ब्रह्मचारी के बीच नजदीकियों के आरोप आरोप लगाएं हैं इसके बाद आर्चाय भूपेंद्र शुक्ला रोनू महाराज ने कहा कि भाजपा सरकार केवल धर्म का आड़ लेकर संतो के साथ दुर्व्यवहार करती है उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री स्वयं योगी है उसके बाद भी हमारे शंकराचार्यों के साथ इस

तरीके का कृत्य करती है यह दुखद और निंदनीय है। इसके बाद रोहित पण्डित जी ने कहा कि इस भाजपा सरकार को सत्ता का अहंकार आ गया है और जब जब अहंकार आता है उस चीज का विनाश तय हो जाता है यही है आज हो रहा है भाजपा सरकार हमारे पूज्य संतों के खिलाफ कार्यवाही कर रही है जो कत्तई बर्दाश्त के योग्य नहीं है 2027 में जनता में इन्हें खुद जवाब देगी!

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आचार्य वेद प्रकाश मिश्रा,पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,आशीष मिश्रा पप्पू,दीपक पाण्डेय बाबू जी,मनोज सिंह पटेल,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,श्याम सिंह भदौरिया,संतोष शुक्ला, आसिफ अल्वी,शशि मिश्रा,कप्तान द्विवेदी,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव, ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,मनोज शुक्ला,कल्लू पाण्डेय, शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद पाण्डेय,विधि विभाग के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र द्विवेदी,शैलेन्द्र उपाध्याय,रंजीत वर्मा,कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत,जयप्रकाश जायसवाल, ब्लाक अध्यक्ष सिराथू रामप्रकाश पंडा,रमेश यादव,घनश्याम कुशवाहा,करन सिंह कुशवाहा,आयुष यादव,अनुज कुमार पासी,राजकुमार यादव,मल्हू यादव,रामाकृत पासी,कमल सिंह पटेल,बलजीत कुमार सरोज,असरफी लाल,शान्ति देवी,रूपा देवी,निराशा देवी,हेमा देवी,रमेश चंद्र केशरवानी,सुरेंद्र सरोज,रावेंद्र कुमार,बैजनाथ,नोखे लाल यादव,सतनेश कुमारी, ओम प्रकाश पंडा,बिफई लाल,छोटेलाल रैदास,पवन कुमार, नन्द लाल,गौतम,रजनीश कुमार जाटव,शुभम मिश्रा,शुभम तिवारी सहित सैकड़ों लोगों की मौजूदगी रही।

परीक्षा के दौरान तीन दर्जन जिलों के 40 परीक्षा केन्द्रों को दी गयी चेतावनी

कंट्रोल रूम से प्रशन पत्र के स्ट्रांग रूम पर रखी जा रही नजर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के दौरान जिलों में बनाए गये 8033 परीक्षा केन्द्रों पर बनाए गये स्ट्रांग रूम में रखे गये प्रश्न पत्रों पर यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज और जिलों में डीआईओएस के यहां बनाए गये कंट्रोल रूम से स्ट्रांग रूम पर दिन, रात नजर रखी जा रही है। यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज ने तीन दर्जन जिले के 40 परीक्षा केन्द्रों पर बनाए गये स्ट्रांग रूम में भीड होने पर, दरवाजा खुला होने पर, लाइट जाने पर और अन्य मामलों को लेकर केन्द्र व्यवस्थापक को चेतावनी दी गयी है।

यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज से प्राप्त जानकारी के अनुसार सीतापुर जिले के एक परीक्षा केन्द्र के स्ट्रांग रूम में अधिक लोगों के घुसने पर बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज ने उस स्ट्रांग रूम की तुरंत फोटो भेजते हुए डीआईओएस को जानकारी दी, इस पर संबंधित जिले के डीआईओएस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई किया। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के सभी केन्द्रों पर बनाए गये स्ट्रांग रूम पर दिन और रात आनलाइन बोर्ड मुख्यालय से नजर रखी जा रही है। बोर्ड मुख्यालय के अफसरों और कर्मचारियों की तीन शिफ्ट में डियूटी लगायी गयी है। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी प्रकार की गडबडी नही हो रही है। उधर, यूपी बोर्ड मुख्यालय के सबसे संवेदनशील प्रयागराज जिले के परीक्षा केन्द्रों पर बने स्ट्रांग रूम पर डीआईओएस कार्यालय में बने कंट्रोल रूम से दिन, रात नजर रखी जा रही है। इस दौरान कंट्रोल रूम में दर्जनभर कर्मचारी अलग - अलग पालियों में डियूटी कर रहे है। उनके साथ प्रभारी भी लगे है जिससे कि जिलों के परीक्षा केन्द्रो पर बने स्ट्रांग रूम पर नजर रखी जा सके। इसकी समीक्षा डीआईओएस पीएन सिंह कर रहे है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रो के स्ट्रांग रूम पर 24 घण्टे नजर रखी जा रही है जिससे कि कोई गडबडी ना होने पाए। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए सात दस्ते गठित किए गये है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी परीक्षा केन्द्र के स्ट्रांग रूम से कोई शिकायत नही मिली है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बहरिया की छात्राओं ने किया संगम व पौराणिक स्थलों का शैक्षिक भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह के निर्देशन तथा जिला समन्वयक बालिका शिक्षा संतोष तिवारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया के कुशल पर्यवेक्षण में बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कमला नगर बहरिया की छात्राओं ने वार्षिक शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के प्रमुख पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया।भ्रमण के दौरान छात्राएं सर्वप्रथम त्रिवेणी संगम पहुंचीं, जहां उन्हें गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी वार्डन एवं शिक्षिकाओं द्वारा संयुक्त रूप से दी गई। शिक्षिकाओं ने बताया कि संगम स्थल देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और यहां लगने वाला माघ मेला एवं कुंभ मेला विश्वविख्यात है।इसके उपरांत छात्राओं ने लेटे हुए हनुमान जी के प्रसिद्ध मंदिर बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया। यहां शिक्षिकाओं ने मंदिर की पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। छात्राओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ मंदिर परिसर का भ्रमण किया और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया।भ्रमण दल ने ऐतिहासिक महत्व के स्थल के बारे में वार्डन प्रतिमा शुक्ला ने मिंटो पार्क (वर्तमान मदन मोहन मालवीय पार्क) का भी अवलोकन कराते हुए छात्राओं को इसके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी यहां उन्हें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी दी गई। शिक्षिकाओं ने बताया कि यह स्थल राष्ट्रीय चेतना और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है।शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्राओं को स्थलों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया गया। शिक्षिकाओं ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भ्रमण के माध्यम से छात्राओं में न केवल ऐतिहासिक ज्ञान का विस्तार हुआ, बल्कि उनमें सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और जागरूकता भी बढ़ी।इस अवसर पर विद्यालय की वार्डन प्रतिमा शुक्ला, लेखाकार दिलीप केसरवानी, शिक्षिका विनीता वर्मा, सोली चौधरी, प्रतीक्षा अंबेडकर, सरिता मौर्य, इशिता यादव स्मिता यादव दीक्षा पटेल सहित समस्त शिक्षिकाएं शैक्षिक भ्रमण के दौरान उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सराहनीय योगदान रहा।

डीएलएड के विविध सत्रों का रिजल्ट घोषित, 50 फीसदी फेल

पास हुए 242306 अभ्यर्थी.

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज ने आज डीएलएड के विविध सत्रों का रिजल्ट घोषित किया जिसमें परीक्षा देने वाले 50 फीसदी अभ्यर्थी फेल हो गये है जबकि 50 फीसदी अभ्यर्थी पास हुए है। सभी सत्र में मिलाकर कुल 419095 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें से 242306 अभ्यर्थी पास हुए जबकि 176789 फेल हो गये है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज के सचिव अनिल भूषण चतुवेर्दी ने बताया कि डीएलएड –2017 बैच के थर्ड सेमेस्टर मे एक, 2018 के प्रथम सेमेस्टर मे 11, 2018 के थर्ड सेमेस्टर में 58, 2019 के थर्ड सेमेस्टर मे 258, 2021के पहले सेमेस्टर मे 470, 2021 के थर्ड सेमेस्टर मे 3600, 2022 के पहले सेमेस्टर मे 4841, 2022 के थर्ड सेमेस्टर मे 10184, 2023 के पहले सेमेस्टर मे 34521, 2023 के थर्ड सेमेस्टर मे 110264 और 2024 के पहले सेमेस्टर मे 78125 अभ्यर्थी पास हुए है। सचिव ने बताया कि यह रिजल्ट [illegible] पर देखा जा सकता है।

सरायममरेज पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पीड़िता/अपहृता सकुशल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर–जोन के थाना सरायममरेज पर पंजीकृत अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अजरुद्दीन शाह उर्फ साहिल पुत्र स्व0 समसुद्दीन निवासी ग्राम सल्लिया थाना फरधान जनपद लखीमपुर खीरी को थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा मंगलवार को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत जंघई–चम्पापुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया । मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता/पीड़िता को सकुशल बरामद किया गया तथा साक्ष्य संकलन एवं पीड़िता के बयान के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा–65(1) भा0न्या0सं0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

दो वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना चांदपुर व कोतवाली पुलिस ने एक–एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

चांदपुर पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र सियाराम उम्र करीब 29 वर्ष निवासी ग्राम साल्हेपुर थाना चाँदपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

इसी प्रकार थाना कोतवाली पुलिस द्वारा डी0पी0 एक्ट भादवि से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त शिवचरण पुत्र गोरेलाल निवासी ग्रा0 रानीपुर थाना कमासीन जनपद बाँदा उम्र 30 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार करने वाली टीमः

चौकी प्रभारी रीतेश राय थाना कोतवाली.हे0का0 श्रीशचंद्र द्विवेदी।

ग्राम चौपाल में चकबंदीअधिकारियों ने किसानों की समस्याओं का किया निराकरण

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। चकबंदी आयुक्त लालहनऊ के निर्देश पर बुधवार को क्षेत्र को ग्राम बाबूपुर साथर एवं ग्राम कादीपुर शास्त्र जनपद प्रयागराज में चकबंदी आयुक्त के निदेर्शानुसार जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में ग्रामीणों की विभिन्न राजस्व एवं चकबंदी संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। विशेष रूप से निम्न प्रकरणों पर विचार-विमर्श एवं आवश्यक कार्यवाही की गई

विरासत (Inheritance) संबंधी प्रकरण

बैनामा (Sale Deed) एवं उसके अनुपालन

नामांतरण (Mutation) के लंबित मामले

भूमि विवाद (Land Dispute)अवैध कब्जा (Illegal Possession) संबंधी शिकायतें

क्षेत्रफल एवं अभिलेखीय त्रुटियाँ

अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को अभिलेख परीक्षण कर समयबद्ध एवं विधि-सम्मत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अवैध कब्जे से संबंधित मामलों में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि राजस्व अभिलेखों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाए। विरासत एवं नामांतरण के मामलों में अनावश्यक विलंब न करने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत शीघ्र आदेश पारित करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि चकबंदी कार्य पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शासन की मंशा के अनुरूप संपादित किए जाएँ। जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में विजय कुमार शर्मा, उप संचालक चकबंदी जनपद प्रयागराज,डॉ पारस नाथ यादव चकबंदी अधिकारी हंडिया , यशवंत कुमार सहायक चकबंदी अधिकारी हंडिया राजस्व कर्मचारी, चकबंदी कर्ता,लेखपाल एवं ग्राम के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

जनहित में त्वरित, पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्यवाही हेतु प्रशासन प्रतिबद्ध है।

नमाज अता की और शाम को इफ्तार के बाद पहला रोजा हुआ मुकम्मल

11 वर्षीय अलीना रजा ने पहली बार रखा रोजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। 19 फरवरी से माहे रमजान के पाक महीने की शुरूआत हो गई है मुस्लिम समुदाय एक महीने तक रोजा (व्रत) रखता है और इबादत करता है।

रमजान के पाक महीने में पहली बार कई बच्चे भी रोजा रखते हैं जिनको रोजा खुशाही कहते हैं।

इसी कड़ी में नैनी के पीएसी कालोनी की रहने वाली अलीना रजा ने बुधवार को पहला रोजा रखा ।

पहला रोजा रखने पर परिवार वाले खुशी मनाते हैं। ऐसे में अलीना रजा के पिता सैय्यद आकिब रजा और उनका परिवार बेहद खुश है।

अलीना ने बताया कि पूरे दिन सुबह सहरी खाने के बाद कुछ नहीं खाया नमाज पड़ी और शाम को इफ्तार करके रोजा खोला।

अलीना बताती है कि यह दिन उनके लिए यादगार रहा इसी तरह मुस्लिम समुदाय में बच्चे रमजान के पाक महीने में रोजा रखने की शुरूआत करते हैं ।

लापरवाही पर कड़ी कार्रवाईः ईआरओ हीरालाल सैनी ने एक सुपरवाइजर व दो बीएलओ का वेतन/मानदेय रोका, चार को अंतिम चेतावनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विधानसभा क्षेत्र 254 फाफामऊ में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर ईआरओ फाफामऊ एवं नगर मजिस्ट्रेट हीरालाल सैनी ने सख्त कार्रवाई की है। नोटिस की सुनवाई तथा फॉर्म 6, 7 और 8 की समीक्षा के दौरान कार्य में शिथिलता पाए जाने पर एक सुपरवाइजर एवं दो बीएलओ के वेतन/मानदेय पर रोक लगाई गई, जबकि चार बीएलओ को अंतिम चेतावनी जारी की गई।जानकारी के अनुसार बूथ संख्या 154 के बीएलओ सौरभ शेखर एवं बूथ संख्या 337 के बीएलओ अभिताभ मिश्र (शिक्षामित्र) के कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर उनके मानदेय के भुगतान पर रोक लगा दी गई है। वहीं बूथ संख्या 34, 255, 271 और 341 की बीएलओ क्रमशः पदमा शुक्ला, शिवानी पटेल, रेखा सिंह व पूनम लता को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया गया हैइसके अतिरिक्त पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर बूथ संख्या 1 से 10 तक के बीएलओ सुपरवाइजर रामकुमार के वेतन आहरण पर रोक लगाने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है।ईआरओ हीरालाल सैनी ने स्पष्ट कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कार्मिकों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं शत-प्रतिशत शुद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

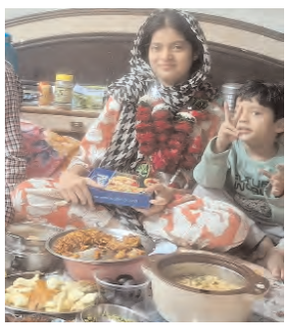

चकबंदी अधिनियम की, ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर,विकासखंड फूलपुर अंतर्गत ग्राम राजेपुर के सार्वजनिक स्थल पंचायत भवन में बुधवार जोत चकबंदी अधिनियम की धारा 9क2 के अंतर्गत आपत्तियो की सुनवाई के साथ जन समस्याओं के निस्तारण हेतु चकबंदी अधिकारी फूलपुर प्रथम शिवनाथ पांडे की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें कृषक राम सिंह पुत्र महावीर द्वारा प्रस्तुत आपत्ति के माध्यम से बताया कि हमारे गाटा संख्या 950 954 को चक्र पृथक कर दिया जाए जिस पर सनी व स्थल निरीक्षण कर मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया इसी प्रकार ननकू राम पुत्र छोटेलाल ने आपत्ति प्रस्तुत कर गाटा संख्या 78 एवं छोटेलाल व बंसीलाल पुत्रगण राम वचन ने गाटा संख्या 665 का विनिमय अनुपात लगाने की मांग किया। जिस पर पशुओं को सुनकर वह स्थल निरीक्षण कर मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस मौके पर चकबंदी करवाई एवं जन समस्याओं के निस्तारण के संदर्भ में उपस्थित कृषको द्वारा सकारात्मक फीडबैक दिया गया। इस मौके पर चकबंदी कर्ता चकबंदी लेखपाल चकबंदी समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान सदस्य गण व कृषक गण उपस्थित रहे।

यूपीपीएससी ने पीसीएस मुख्य परीक्षा–2025 की तिथि किया घोषित

29 मार्च से एक अप्रैल तक आयोजित होगी मुख्य परीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उप्र लोकसेवा आयोग प्रयागराज (यूपीपीएससी) ने पीसीएस मुख्य परीक्षा- 2025 की तिथि आज घोषित किया है। मुख्य परीक्षा 29 मार्च से एक अप्रैल तक आयोजित होगी। प्रयागराज और लखनऊ में बनाए गए केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। प्रथम सत्र सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे और द्वितीय सत्र में दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक परीक्षा संपन्न होगी।

29 मार्च को पहली पाली में सामान्य हिन्दी और दूसरी पाली में निबंध की परीक्षा होगी। वहीं 30 मार्च को पहली शिफ्ट में सामान्य अध्ययन-। और दूसरी शिफ्ट में सामान्य अध्ययन-॥ का पेपर होगा।

31 मार्च को पहली शिफ्ट में सामान्य अध्ययन-क्कक्क और दूसरी शिफ्ट में सामान्य अध्ययन-IV,

1 अप्रैल को पहली पाली में सामान्य अध्ययन-V और दूसरी पाली में सामान्य अध्ययन-श्क का पेपर कराया जाएगा। यूपी लोक सेवा आयोग की तरफ से कहा गया है कि अपरिहार्य परिस्थिति में इस परीक्षा कार्यक्रम में परिवर्तन किया जा सकता है। यूपीपीएससी ने एक दिसंबर 2025 को प्रारंभिक (Pre) परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया था। प्रारंभिक परीक्षा में कुल 11,727 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित हुए थे। इसमें कुल पदों की संख्या 920 है जिसमें 814 PCS और 106 ACF/RFO के पद शामिल है। आयोग के सचिव अशोक कुमार ने विज्ञप्ति जारी कर दी जानकारी।

जय माँ भवानी' से गूँजा प्रयागराज, उमड़ा भारी जन–समुदाय

सनातन हुंकार रैली' में शामिल हुए हजारों सनातनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हनुमत संग प्रयागराज का हृदय स्थल सिविल लाइंस आज उस समय राष्ट्रवाद और सनातन के जयघोष से गुंजायमान हो उठा, जब हनुमत संग के गौरवशाली नेतृत्व में आयोजित 'सनातन हुंकार रैली' में हजारों की संख्या में सनातनी योद्धा सड़कों पर उतर आए। रैली की शुरूआत सायंकाल 4 बजे पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल से हुई, जहाँ से हजारों की संख्या में सनातनी जयघोष करते हुए आगे बढ़े। सभी ने एक स्वर में कहा कि सनातनधर्मियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं, देंगे मुंहतोड जवाब।

रैली का मुख्य पड़ाव सुभाष चौराहे पर सामूहिक 'वंदे मातरम' का गान रहा, जहाँ 'जय माँ भवानी' के गगनभेदी उद्घोष ने वातावरण को ऊजार्वान बना दिया। रत्नेश दुबे, डॉ. सूर्य कुमार दुबे एवं अन्य कलाकारों की स्वर लहरियों ने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रभक्ति का ज्वार भर दिया। हनुमत संग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का सबसे गौरवशाली क्षण वह था जब मालेगांव प्रकरण में 'भगवा आतंकवाद' के षड्यंत्र का दंश झेलने वाले और सनातन के लिए अपना जीवन होम करने वाले सनातनी योद्धा सुधाकर पुरी महाराज का ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन किया गया। सिविल लाइंस व्यापार मंडल, राष्ट्रीय हिंदू संगठनों, प्रबुद्ध वर्ग, चिकित्सकों एवं अधिवक्ताओं ने सुधाकर पुरी जी का विशाल पुष्पहारों से भव्य स्वागत कर उनके त्याग और तपस्या को नमन किया। उनके साथ सनातन सेना के मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सत्येंद्र दुबे और मनोज दुबे को भी सम्मानित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए सुधाकर पुरी महाराज ने वर्तमान परिस्थितियों पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह बेटियों के खिलाफ जेहाद और अत्याचार बढ़ रहा है, वह बर्दाश्त से बाहर है। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है। अब सहने का समय बीत गया है, अब प्रतिकार का समय है। उन्होंने केंद्र सरकार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाकर पड़ोसी देशों में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

हनुमत संग के पदाधिकारियों, पूर्व जस्टिस जेसी श्रीवास्तव, धर्मेंद्र द्विवेदी और राजीव मिश्र ने सामाजिक एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि सनातन एक विशाल वृक्ष है और समस्त जातियां उसकी टहनियां हैं। मातृशक्ति का नेतृत्व करते हुए हनुमत संग की महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी योग माता, श्रीमती शिखा, प्रतिभा सिंह और उष्मा मिश्रा ने सनातन धर्म की गरिमा की रक्षा और अपनी डेमोग्राफी को बचाने का संकल्प लिया। आयुष मिश्रा, केशव पांडे और सतीश द्विवेदी के कुशल संचालन में आयोजित इस सभा में हनुमत संग के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र पांडेय 'शीलू' ने उपस्थित जनसमूह को सामूहिक शपथ दिलाई कि यदि गाय, गंगा, गीता, संत या सनातन संस्कृति का अपमान हुआ, या बेटियों पर अत्याचार हुआ, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हनुमत संग के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. अभिनव त्रिपाठी ने ऐतिहासिक संघर्षों का उल्लेख करते हुए 'घर-घर हनुमान चालीसा' अभियान के माध्यम से संगठित होने का आह्वान किया। रैली और सभा का नेतृत्व दुर्गेश दुबे, गुह्य निषाद राज डॉ. बीके. कश्यप, डॉ. सत्यानंद यादव, अभिषेक शुक्ला एवं विनोद मिश्र ने किया। युवा शक्ति का नेतृत्व करते हुए सचिन सिंह, सौरभ सिंह, कार्तिकेय और आदित्य पाठक ने वंदे मातरम के गान में सक्रिय भूमिका निभाई। इस पूरे आयोजन को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने के लिए यश पांडेय एवं उनकी टीम सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर सक्रिय रूप से जुड़ी रही। हुंकार रैली में चन्द्र प्रकाश यादव, हेमंत बनर्जी, बालेश यादव, सत्येंद्र दुबे, विवेकानंद तिवारी, सुप्रभात जी, एसपी. श्रीवास्तव, एम.सी. भद्रा, अवधेश निषाद, मनोज निषाद, राकेश पासी, मोटू पासी, केशव पांडेय, दिनेश यादव, आरपी. यादव, देवेंद्र श्रीवास्तव, राजीव मिश्र, चौथराम यादव, अजीत पांडेय, संजय गुप्ता, शैलेन्द्र मिश्र, मनोज मिश्र, नारू दादा, प्रदीप दत्त, देवेश बनर्जी, अमित बनर्जी, संतोष हेला, राजीव कनौजिया, सोनू सोनकर, शंभुनाथ अंशुल, दीपू सोनकर एवं गिनीज बुक रिकॉर्ड होल्डर दुकान जी आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

बोर्ड परीक्षा – टूटते सपने

देश भर में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सामने आ रहे दृश्य केवल परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था पर नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। कहीं गेट बंद होने के बाद अंदर जाने की कोशिश करते छात्र, तो कहीं फूट-फूटकर रोते बच्चे–ये तस्वीरें किसी एक शहर की नहीं, बल्कि पूरे देश की साझा चिंता बन चुकी हैं।

एक वर्ग का स्पष्ट मत है कि नियम सबके लिए समान होने चाहिए। समय सीमा का पालन अनुशासन की पहली शर्त है और परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में ढिलाई व्यवस्था को कमजोर कर सकती है। वहीं शिक्षा विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की कठोर नीति बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर भारी पड़ रही है।

सवाल सीधा है–क्या चंद मिनटों की देरी किसी छात्र के पूरे साल की मेहनत पर पानी फेर देने के लिए पर्याप्त आधार हो सकती है?

बोर्ड परीक्षा कोई प्रतियोगी परीक्षा नहीं होती, जहां चयन सीमित सीटों के आधार पर हो। यह उस वर्ष भर की पढ़ाई का मूल्यांकन है, जिसमें हर विद्यार्थी को अपने प्रयास का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में परीक्षा केंद्र के गेट पर खड़े होकर रोते बच्चों की तस्वीरें केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत देती हैं।

यह भी समझना होगा कि परीक्षा के दिनों में परिस्थितियां सामान्य नहीं रहतीं। जिन बच्चों का रोज का सफर साइकिल, पैदल या स्कूल बस से होता है, उन्हीं दिनों माता-पिता अतिरिक्त चिंता के कारण उन्हें स्वयं छोड़ने निकल पड़ते हैं। परिणामस्वरूप सड़कों पर अचानक ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। कई बार सार्वजनिक परिवहन में विलंब, मार्ग अवरोध, वाहन खराब होना या अन्य आकस्मिक कारण भी देरी की वजह बनते हैं। हर देरी लापरवाही का परिणाम हो–यह मान लेना वास्तविकता से आंखें मूंदना है।

नियमों का महत्व असंदिग्ध है। यदि समय-सीमा पूरी तरह समाप्त कर दी जाए तो अव्यवस्था फैल सकती है। इसलिए विद्यार्थियों और अभिभावकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। परीक्षा के दिनों में समय से काफी पहले निकलना, वैकल्पिक मार्ग और परिवहन की योजना बनाना तथा संभावित ट्रैफिक को ध्यान में रखना आवश्यक है। अनुशासन सफलता की बुनियाद है–इस सत्य से इंकार नहीं किया जा सकता।

परंतु दूसरी ओर यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या नियम संवेदनाओं से पूरी तरह ऊपर हो सकते हैं?

यदि कोई छात्र कुछ मिनट देर से पहुंचता है, तो क्या उसे परीक्षा देने से पूर्णतः वंचित कर देना न्यायसंगत है? एक वर्ष की बबार्दी केवल अंकों का नुकसान नहीं होती; यह एक किशोर मन के आत्मविश्वास पर गहरी चोट होती है। कई मामलों में इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है–हीन भावना, अवसाद और आत्मग्लानि तक की स्थिति बन जाती है।

समाधान कठोरता और ढिलाई के बीच संतुलन में छिपा है।

सबसे पहले, परीक्षा प्रबंधन से जुड़े संस्थानों को यह विचार करना होगा कि क्या सीमित ह्यग्रेस एंट्री विंडोह्न (आपात प्रवेश समय) की व्यवस्था संभव है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र निर्धारित समय के कुछ मिनट बाद पहुंचता है तो उसे प्रवेश तो दिया जाए, पर अतिरिक्त समय न दिया जाए। इससे अनुशासन भी बना रहेगा और छात्र का वर्ष भी नष्ट नहीं होगा।

दूसरा, परीक्षा केंद्रों के आसपास ट्रैफिक प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्थानीय प्रशासन, यातायात विभाग और स्कूल प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय परीक्षा के दिनों में दबाव कम कर सकता है। कई देशों में परीक्षा दिवसों पर विशेष यातायात योजना बनाई जाती है–हम भी ऐसी पहल से सीख ले सकते हैं।

तीसरा, समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। परीक्षा के दिनों में अनावश्यक वाहन उपयोग कम करना, परीक्षा केंद्रों के आसपास धैर्य और सहयोग का व्यवहार रखना तथा छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है। यह केवल विद्यार्थियों का नहीं, पूरे समाज का परीक्षा काल होता है।

चौथा, अभिभावकों को भी अति-आत्मविश्वास से बचना होगा। ह्यसमय हो जाएगाह्न वाली मानसिकता कई बार भारी पड़ती है। परीक्षा दिवस को सामान्य दिन मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। समय से काफी पहले निकलना ही सबसे सुरक्षित रणनीति है।

शादी की बदलती तस्वीरः दिखावे, अहंकार और टूटते रिश्ते

डॉ० प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में शादी केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं रही है, बल्कि इसे हमेशा से परिवार, समाज और संस्कारों से जुड़ी एक पवित्र संस्था माना गया है। विवाह को जीवनभर का साथ, सुख-दुख में एक-दूसरे का संबल और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला समझा जाता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस संस्था की तस्वीर तेजी से बदली है। आज शादी का मतलब साथ निभाने का संकल्प कम और सामाजिक प्रदर्शन अधिक होता जा रहा है। परिणामस्वरूप रिश्ते कमजोर हो रहे हैं और तलाक या अलगाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

आज यह एक कड़वी सच्चाई है कि लोग शादी पर 20ञ25 लाख रुपये या उससे भी अधिक खर्च कर रहे हैं, लेकिन उसी शादी के कुछ महीनों या दिनों तक चलने की कोई गारंटी नहीं रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 40 से 50 प्रतिशत वैवाहिक रिश्ते टूटने की कगार पर हैं या पहले ही टूट चुके हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक समस्या का संकेत है, जिसे नजरअंदाज करना आने वाले समय में भारी पड़ सकता है।

इस संकट का सबसे बड़ा कारण है दिखावे की संस्कृति। शादी अब एक निजी निर्णय नहीं, बल्कि एक भव्य इवेंट बन चुकी है, जिसमें होटल, डेस्टिनेशन वेडिंग, महंगे कपड़े, फोटोशूट और सोशल मीडिया पोस्ट सबसे अहम हो गए हैं। लोग यह सोचने में अधिक समय लगाते हैं कि मेहमान क्या कहेंगे, रिश्तेदार कितने प्रभावित होंगे और इंस्टाग्राम पर तस्वीरें कैसी दिखेंगी। लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालते कि जिस इंसान के साथ पूरी ज़िंदगी बितानी है, उसके विचार, स्वभाव, सहनशीलता और जीवन के प्रति दृष्टिकोण क्या हैं।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। हर व्यक्ति खुद को बेहतर दिखाने की कोशिश में अपनी वास्तविकता छिपा रहा है। शादी से पहले बनाई गई यह परफेक्ट इमेज शादी के बाद धीरे-धीरे टूटती है और जब सच्चाई सामने आती है, तब निराशा, टकराव और असंतोष जन्म लेता है। लोग समझ पाते हैं कि वे जिस इंसान से शादी कर बैठे हैं, वह वैसा नहीं है जैसा उन्होंने कल्पना की थी।

दूसरा बड़ा कारण है धैर्य की कमी और अहंकार की अधिकता। आज के समय में लोगों का पेशेंस लेवल लगभग शून्य पर आ गया है, जबकि ईगो का स्तर सौ पर पहुंच चुका है। छोटी-छोटी बातों पर रिश्तों में दरार आ जाती है। संवाद करने, समझाने और समझने की जगह लोग तुरंत निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि यह रिश्ता काम नहीं करेगा। मैं क्यों समझौता करूँ? और मेरी खुशी सबसे ऊपर है जैसी सोच रिश्तों को खोखला कर रही है।पहले रिश्तों में समस्याएं आती थीं, लेकिन उन्हें सुलझाने की कोशिश की जाती थी। आज समस्याएं आते ही लोग अलग होने को सबसे आसान समाधान मान लेते हैं। रिश्तों को निभाने की जगह उन्हें बदल देने की मानसिकता बढ़ती जा रही है। यह उपभोक्तावादी सोच केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब रिश्तों में भी प्रवेश कर चुकी है।

एक और महत्वपूर्ण कारण है संयुक्त परिवार प्रणाली का टूटना और एकल परिवारों का बढ़ना। संयुक्त परिवारों में बच्चे बचपन से ही बड़ों को देखकर सहनशीलता, त्याग, जिम्मेदारी और रिश्तों को निभाने की कला सीखते थे। मतभेद होते थे, लेकिन उन्हें बातचीत और समझदारी से सुलझाया जाता था। आज एकल परिवारों में पले-बढ़े बच्चों को यह व्यवहारिक प्रशिक्षण बहुत कम मिल पाता है।

इसका मतलब यह नहीं कि एकल परिवार गलत हैं, लेकिन यह सच है कि उनमें सामूहिक जीवन का अनुभव सीमित होता है। परिणामस्वरूप जब युवा शादी के बाद नए रिश्तों और नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो वे मानसिक रूप से उसके लिए तैयार नहीं होते। थोड़ी-सी असहमति भी उन्हें असहनीय लगने लगती है। इसके साथ-साथ आर्थिक स्वतंत्रता और बदलती सामाजिक भूमिका भी रिश्तों पर असर डाल रही है। आज महिलाएं आत्मनिर्भर हैं, जो एक सकारात्मक बदलाव है, लेकिन इसके साथ ही अपेक्षाओं का टकराव भी बढ़ा है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी स्वतंत्रता और अधिकारों को लेकर अधिक सजग हैं, जो सही भी है, लेकिन जब यह आपसी सम्मान और संवाद के बिना होता है, तब टकराव की स्थिति बन जाती है। बराबरी का अर्थ सहयोग होना चाहिए, न कि प्रतिस्पर्धा।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि आज की पीढ़ी लंबे समय तक किसी एक निर्णय पर टिके रहने से डरती है। करियर हो, शहर हो या रिश्ता–हर जगह अगर बेहतर विकल्प मिल जाए वाली सोच हावी है। यही सोच शादी जैसे स्थायी संबंध को अस्थिर बना रही है। जब हर समय यह भावना बनी रहे कि इससे बेहतर कुछ और मिल सकता है, तो किसी भी रिश्ते में संतोष और स्थिरता संभव नहीं रह जाती।

इन सभी कारणों के चलते यह आशंका बढ़ रही है कि आने वाले समय में लोग शादी जैसी संस्था से ही दूरी बनाने लगेंगे। कुछ लोग पहले ही विवाह को बोझ या जोखिम के रूप में देखने लगे हैं। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही, तो इसका असर केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक ढांचे पर भी पड़ेगा। परिवार, जो समाज की सबसे छोटी इकाई है, यदि कमजोर होगा तो समाज की स्थिरता भी खतरे में पड़ जाएगी।

हालांकि, यह कहना गलत होगा कि समस्या का कोई समाधान नहीं है। असल समस्या शादी में नहीं, बल्कि शादी के प्रति हमारी सोच और प्राथमिकताओं में है। जरूरत है दिखावे और फिजूलखर्ची को कम कर, आपसी समझ, संवाद और भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देने की। शादी से पहले एक-दूसरे को समय देना, खुलकर बातचीत करना और अपेक्षाओं को स्पष्ट रखना बेहद जरूरी है।

अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका

डॉ. विजय गर्ग

ऐसे युग में जहां सूचनाएं अंतहीन रूप से प्रवाहित होती हैं और ध्यान भटकाने वाली चीजें केवल एक क्लिक की दूरी पर होती हैं, एक तेज और चुस्त दिमाग बनाए रखना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। शरीर की मांसपेशियों की तरह, मस्तिष्क को भी सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए नियमित व्यायाम, उचित पोषण और स्वस्थ आदतों की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क को प्रशिक्षित करना केवल तथ्यों को याद करने के बारे में नहीं है; इसमें ध्यान, रचनात्मकता, भावनात्मक संतुलन और समस्या-समाधान क्षमताओं को मजबूत करना शामिल है।

आजीवन शिक्षा में संलग्न रहें

नए कौशल सीखने से तंत्रिका संबंध उत्तेजित होते हैं और मस्तिष्क लचीला रहता है। किताबें पढ़ना, नई भाषा सीखना, विज्ञान का अध्ययन करना या इतिहास की खोज करना स्मृति और समझ को मजबूत करता है। पहेलियाँ सुलझाना, शतरंज खेलना या रणनीति खेलों में भाग लेना जैसी गतिविधियां तर्क कौशल और संज्ञानात्मक चपलता को बढ़ाती हैं।

माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास करें

माइंडफुलनेस अभ्यास से ध्यान, भावनात्मक स्थिरता और विचार की स्पष्टता में सुधार होता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययनों सहित शोध से पता चलता है कि ध्यान ध्यान अवधि में सुधार कर सकता है और तनाव को कम कर सकता है।

प्रतिदिन 10 मिनट भी शांत चिंतन या गहरी सांस लेने से मन शांत हो सकता है और एकाग्रता बढ़ सकती है।

मस्तिष्क शक्ति के लिए व्यायाम

शारीरिक गतिविधि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बढ़ाती है और नई मस्तिष्क कोशिकाओं के विकास में सहायता करती है। पैदल चलना, योग, साइकिल चलाना या स्ट्रेचिंग व्यायाम मूड और संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाते हैं। नियमित गतिविधि से तनाव हार्मोन भी कम हो जाता है, जो स्मृति और सीखने पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

स्वस्थ भोजन से मस्तिष्क को पोषण दें

संतुलित आहार मस्तिष्क स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड (जैसे अखरोट और अलसी), एंटीऑक्सीडेंट (फल और सब्जियां) और साबुत अनाज से भरपूर खाद्य पदार्थ स्मृति और एकाग्रता को बढ़ावा देते हैं। हाइड्रेटेड रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्जलीकरण से ध्यान केंद्रित करने और मानसिक स्पष्टता में कमी आ सकती है।

भारतीय लोकतंत्र में विकल्प की पुनर्स्थापना

संतोष सिंह

वर्ष 2014 का वह समय भारतीय राजनीति के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ की तरह दर्ज है। चुनावी सभाओं की गूंज, मीडिया की बहसें और जनमानस की चर्चाएँ–सबके केंद्र में एक ही वाक्य तैरता थाः ह्नमोदी का कोई विकल्प नहीं हैह्न उस दौर में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक ऐसी राजनीतिक लहर को जन्म दिया, जिसने केवल सत्ता परिवर्तन ही नहीं किया, बल्कि राजनीतिक विमर्श की दिशा भी बदल दी। एक सशक्त, निर्णायक और करिश्माई नेतृत्व की छवि ने जनता के भीतर स्थिरता और विकास की आकांक्षाओं को स्वर दिया। विपक्ष बिखरा हुआ था, नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता थी, और परिणामस्वरूप ह्नविकल्पहीनताह्न एक राजनीतिक सत्य की तरह स्थापित हो गई।

परंतु लोकतंत्र किसी एक क्षण की स्थिर तस्वीर नहीं, बल्कि निरंतर बदलती हुई चलचित्र है। समय का पहिया घूमता है, परिस्थितियाँ कर-वट लेती हैं और जनमत की धाराएँ नए मार्ग तलाशती हैं। पिछले दस-बारह वर्षों में भारतीय राजनीति ने अनेक रंग देखे–उम्मीद, उत्साह, असहमति, विरोध और पुनर्विचार। यह वही कालखंड है जिसमें राजनीति का केंद्रबिंदु ह्नअपरिहार्य नेतृत्वह्न से हटकर ह्नसंभावित विकल्पह्न की ओर मुड़ता दिखाई देता है।

इसी बदलते परिदृश्य में राहुल गांधी का राजनीतिक व्यक्तित्व नए आयामों के साथ उभरता है। एक समय था जब उन्हें राजनीतिक व्यंग्य का विषय बनाया जाता था, उनकी गंभीरता पर प्रश्न उठाए जाते थे और उन्हें अपरिपक्व नेतृत्व का प्रतीक बताया जाता था। किंतु राजनीति में समय सबसे बड़ा शिक्षक होता है। जनसंवाद की निरंतरता, पदयात्राओं की तपस्या और मुद्दा-आधारित राजनीति की प्रतिबद्धता ने उनकी छवि को धीरे-धीरे पुनर्निर्मित किया है।

उनकी देशव्यापी यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं; वे एक प्रकार का सामाजिक संवाद बन गईं। धूल भरी सड़कों पर पैदल चलते हुए, किसानों से बातचीत करते हुए, युवाओं की आकांक्षाएँ सुनते हुए और महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सेतु भी है। इस प्रक्रिया ने उनके समर्थकों में एक नई आशा जगाई है–कि वे एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में उभर सकते हैं। धीरे -धीरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य में विपक्ष की शैली भी समय के साथ कहीं अधिक आक्रामक, धारदार और मुखर होती चली गई। कभी संकोच और बचाव की मुद्रा में दिखने वाला विपक्ष अब सीधे टकराव की रणनीति अपनाता दिखाई देता है। इस परिवर्तन के केंद्र में यदि किसी एक चेहरे को रखा जाए, तो वह हैं राहुल गांधी। कभी उपहास का पात्र बनने वाले राहुल गांधी आज खुले मंचों से सरकार को ललकारते हुए दिखाई देते हैं। संसद हो या सड़क, प्रेस वार्ता हो या पदयात्रा–उनकी भाषा में अब हिचक नहीं, बल्कि सवालों की स्पष्टता और आरोपों की तीक्ष्णता दिखाई देती है। हालात इस हद तक बदले हैं कि सत्ता पक्ष के कई नेता अब राहुल गांधी के सीधे सवालों से बचने की कोशिश करते नजर आते हैं। राजनीतिक विमर्श में यह बदलाव केवल व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि विपक्ष की आत्मविश्वासपूर्ण वापसी का संकेत है।

बीते वर्षों में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन यह हुआ कि भारतीय विदेश नीति, जो प्रायः कूटनीतिक गलियारों तक सीमित रहती थी, अब घरेलू राजनीतिक बहस का विषय बन गई है। अमेरिका के साथ संबंधों की प्रकृति, वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका, और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में कथित हस्तक्षेप जैसे मुद्दों ने सियासी तापमान को बढ़ा दिया है। विदेश नीति, जो कभी सर्वसम्मति का क्षेत्र मानी जाती थी, अब आरोप-प्रत्यारोप का मैदान बन चुकी है।

इसी क्रम में तथाकथित ह्नएपस्टीन फाइल्सह्न जैसे प्रसंगों ने सत्तारूढ़ दल को असहज किया। इन मुद्दों को विपक्ष ने केवल राजनीतिक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि जवाबदेही के प्रश्न के रूप में उठाया। संसद के भीतर और बाहर, इन घटनाओं को लेकर तीखे सवाल किए गए।

सबसे उल्लेखनीय प्रसंग रहा ह्यफोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीह्न – जो पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा है। इस पुस्तक में वर्णित घटनाओं और संकेतों को आधार बनाकर राहुल गांधी ने संसद में जिस कुशलता से सरकार को घेरा, वह उनकी राजनीतिक रणनीति की परिपक्वता का परिचायक था। उन्होंने केवल आरोप नहीं लगाए, बल्कि तथ्यों और उद्धरणों के सहारे सत्ता पक्ष से स्पष्टीकरण माँगा।

यह दृश्य भारतीय लोकतंत्र के लिए एक नए अध्याय जैसा प्रतीत हुआ–जहाँ विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध नहीं कर रहा, बल्कि विमर्श की दिशा तय करने का प्रयास कर रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जिस ह्नविकल्पह्न की अनुपस्थिति का दावा कभी बार-बार दोहराया जाता था, वह अब केवल आकार ही नहीं ले चुका है, बल्कि सत्ता से सीधा संवाद–और टकराव–करने के लिए तत्पर भी है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है–जनमत। लोकतंत्र की असली शक्ति न तो किसी एक नेता में निहित है और न ही किसी एक दल में; वह निहित है जनता के विश्वास में। यह विश्वास समय के साथ बदलता है, परखा जाता है और पुनर्निर्मित होता है। आज जो नेतृत्व निर्विवाद प्रतीत होता है, वह कल चुनौती के घेरे में आ सकता है; और जो आज चुनौतीकर्ता है, वह कल जनादेश का केंद्र बन सकता है।

भारतीय लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि यहाँ कोई भी सत्ता शाश्वत नहीं और कोई भी विकल्प अंतिम नहीं। राजनीति में ह्नविकल्पहीनताह्न की धारणा स्वयं लोकतांत्रिक चेतना के विरुद्ध है, क्योंकि लोकतंत्र का अर्थ ही है–चयन की स्वतंत्रता। आज का राजनीतिक विमर्श यह संकेत देता है कि देश में विकल्प की राजनीति पुनः जीवंत हो रही है। यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि विचारों की है; केवल सत्ता की नहीं, बल्कि दृष्टिकोण की है।

अंततः, भारतीय राजनीति एक बहती हुई नदी की तरह है–कभी शांत, कभी प्रबल, परंतु सदैव गतिशील। इस प्रवाह में नेतृत्व उभरते हैं, स्थापित होते हैं और कभी-कभी विलीन भी हो जाते हैं। किंतु लोकतंत्र का प्रवाह निरंतर बना रहता है। यही उसकी शक्ति है, यही उसकी आशा है, और यही उसकी स्थायी सुंदरता।

हरियाणा में एचआईवी: पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

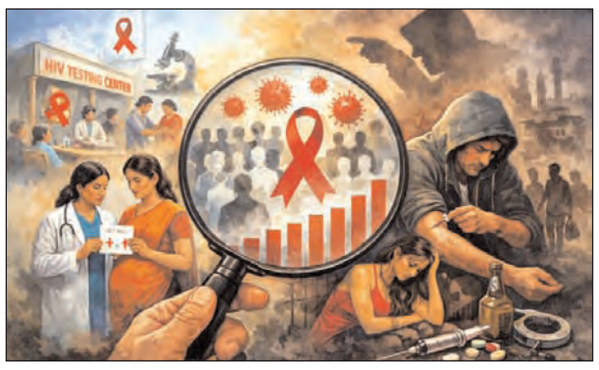

वित्तीय वर्ष 2025ञ26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान–यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दशार्ती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल ह्नसीमित समुदायोंह्न या ह्नहाशिये के समूहोंह्न से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी।

राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र (कउळउ) और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (अफळ) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है।

इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दशार्ती है कि माँ-से-बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए, तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है।

दिसंबर 2021 से लागू ?2250 प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना–जिसके तहत अब तक ?54.3 करोड़ वितरित किए जा चुके हैं–यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता–तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है, भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो।

फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं–जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां। यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा। इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और ह्नगलतीह्न के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है।

एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा–ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता।

भारत के ह्नएड्स मुक्तह्न लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं।

अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं। लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरूआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

जनहित के मामलों को समय से निपटाएं

तहसीलों एवं थानों की जनसुनवाई में आई शिकायतों का गुणवत्ता से करें निस्तारण

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रभारी मंत्री, जनपद प्रयागराज एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक हुई। प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास कार्यों, आवास आवंटन, किसानों की समस्या, ट्रैफिक मैनेजमेंट, जलापूर्ति, जनसुनवाई एवं कानून व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को आपसी समन्वय व सहयोग के साथ जनहित से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता के साथ यथोचित निर्णय लेते हुए समय से निस्तारित करने के लिए कहा है। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न जनसमस्याओं एवं कराये जाने वाले आवश्यक कार्यों से अवगत कराते हुए उनपर आवश्यक कार्यवाही कराये जाने के लिए कहा, जिसपर प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व अपर पुलिस आयुक्त व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के द्वारा बैठक में संज्ञान में लाए गए विषयों पर तत्काल कार्यवाही किए जाने तथा कृतकार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराये जाने के लिए कहा है। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा से जनप्रतिनिधियों के संदर्भित प्रकरणों में यथोचित कार्रवाई करते हुए कृत कार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराने के लिए कहा है। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुलिस विभाग से सम्बंधित जब भी किसी प्रकरण को उनके संज्ञान में लाया जाये, तो पुलिस विभाग के सम्बंधित अधिकारी उसपर गम्भीरता से विचार करते हुए नियमानुसार शीघ्रता से कार्यवाही

करें। जमीनों पर बलपूर्वक कब्जा करने वाले गैंगो को चिन्हित करने एवं उनपर गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही करने एवं अवैध कब्जे पर रोक लगाये जाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के लिए कहा है। उन्होंने सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हटाये जाने हेतु चलाये गये अभियान की जानकारी लेते हुए सभी सरकारी भूमियों से अवैध कब्जों को हटाये जाने तथा चिन्हित भू-माफियाओं के अतिरिक्त और भी भूमाफियाओं को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जनसुनवाई की व्यवस्था की जानकारी लिए जाने पर जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा नियमित रूप से जनसुनवाई किए जाने के साथ-साथ सभी उपजिलाधिकारियों व अन्य सम्बंधित अधिकारियों को भी ऑनलाइन माध्यम से जोड़कर सम्बंधित शिकायतों का निस्तारण कराया जा रहा है। मंत्री ने सभी तहसीलों एवं थानों में जनसुनवाई के दौरान आने वाली जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने तथा तहसीलो में फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक रूप से विलम्ब न किए जाने तथा थानों एवं तहसीलों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा करते हुए पोर्टल पर जनपद की रैकिंग अच्छी होने पर प्रसन्ता व्यक्त की और सभी विभागों को आईजीआरएस रैकिंग सहित अन्य रैकिंगों में भी सुधार किए जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी से केन्द्र व प्रदेश सरकार के द्वारा चलायी जा रही लाभार्थीपरक योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराये जाने के लिए कहा, जिससे योजनाओं की पात्रता की श्रेणी वाले लोग योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सके। उन्होंने विकास कार्य जो रूके हुए है या प्रगति धीमी है, उनकी समीक्षा करते हुए अवशेष कार्यो को शीघ्रता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है।

मंत्री ने जिलाधिकारी से जनपद में पूर्ण हो गये कार्यों एवं पूर्ण होने वाले कार्यों की सूची बनाकर लोकार्पण अथवा शिलान्यास कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है। उन्होंने स्वच्छता, प्राथमिक स्वास्थ्य एवं प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

बैठक में महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी के अलावा दीपक पटेल, हर्षवर्धन वाजपेयी, राजमणि कोल, पीयूष रंजन निषाद विधायकगण, विधान परिषद सदस्य के0पी0 श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विषयों पर अपने-अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर पुलिस आयुक्त डॉ0 अजय पाल शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव अजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक दीपक पटेल ने सराय गनी पहुंचकर पीड़ित को ढांढस बंधाया

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के सराय गनी में भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष जगन्नाथ मौर्य की पुत्री के सड़क दुर्घटना में हुए आकस्मिक निधन की दुःखद सूचना मिलने पर पर फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने सराय गनी पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। और संभव मदद का भरोसा दिया विधायक दीपक पटेल ने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर मुख्य रूप से अरुण मिश्रा पिंटू नेता, विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

किसी भी नए मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए -निर्मला पासवान

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज। जिलाध्यक्ष भाजपा गंगापार निर्मला पासवान ने जिला मंत्री भाजपा गंगापार तुलसीराम सरोज के आवास पर बूथ संख्या 272/296 ताजपुर उर्फ भीखनपुर में एसआईआर पे चर्चा की तथा कई नए लोगों का फॉर्म 6 भी भरवाकर उन्हें मतदाता बनाया इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दो दिन का सघन अभियान चलाया जाएगा जिसमें नए मतदाताओं का नाम जोड़ा जाना है इसलिए सभी लोग इस दो दिन के अभियान में फॉर्म भरा कर 18 साल के ऊपर के सभी नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का काम करेंगे किसी भी मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए हमें इस बात का भी ध्यान रखना है कि किसी फर्जी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में नहीं जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मंत्री तुलसी राम सरोज, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी,मंडल अध्यक्ष राम कैलाश सरोज, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा, सुशील त्रिपाठी, राजू पाल, राहुल तिवारी आदि मौजूद रहे।

गुरुवार को 11 से 02 बजे तक शांतिपुरम की बिजली रहेगी बन्द

सबसे तेज प्रयागराज
फाफामऊ। गुरुवार को शांतिपुरम पावर हाउस पर स्थापित 11 केवी वीसीबी की मरम्मत का कार्य कराया जाएगा जिसके लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक शांतिपुरम पावर से संबंधित इलाकों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी यह जानकारी शतीश कुमार जेई शांतिपुरम पावर हाउस ने दी है। उपखंड अधिकारी शांतिपुरम एबी यादव ने बताया कि गर्मी में बिजली की मांग बढ़ जाती है इसलिए सुचारू रुप से विद्युत आपूर्ति के लिए तैयारी की जा रही है।

लंबित राजस्व वादों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु मंडलायुक्त की समीक्षा बैठक

पांच वर्ष से ज्यादा राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु सख्ती

लक्ष्य आधारित मॉनिटरिंग और एसीआर से जोड़ी जाएगी जवाबदेही

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। शासन द्वारा दिए गए निदेशों के क्रम में बुधवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रयागराज मंडल की समस्त 19 तहसीलों के उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई। इसमें तहसीलवार लंबित वादों की संख्या, उनकी प्रकृति तथा लंबित रहने के कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से उन प्रकरणों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो लंबे समय से अथवा पाँच वर्ष से अधिक समय से विचाराधीन हैं। फरवरी माह में किए गए निस्तारणों की तहसीलवार जानकारी लेते हुए माह के अंत तक कुल निस्तारण के लक्ष्य निर्धारित करने को भी कहा गया। मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि किसी वाद में अंतिम आख्या प्राप्त होने के पश्चात उसे पोर्टल पर अपलोड किए बिना उस प्रकरण को पूर्णतः निस्तारित नहीं माना जाएगा। जिन वादों में आदेश पारित होने के उपरांत भी आख्या पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई है, उन्हें अपूर्ण श्रेणी में रखा जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। जिन तहसीलों में अपेक्षाकृत कम संख्या में वादों का निस्तारण पाया गया, वहां के उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को कड़ी फटकार लगाई गई तथा निस्तारण प्रक्रिया में त्वरित सुधार लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। मंडल के अंतर्गत सोरांव तहसील में सर्वाधिक लंबित वाद पाए जाने पर संबंधित उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि विशेष अभियान चलाकर अधिकतम संख्या में प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। चेतावनी भी दी गई कि जिन तहसीलों में निस्तारण की गति अपेक्षित स्तर पर नहीं पाई जाएगी, वहाँ के संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं संबंधित राजस्व अधिकारियों द्वारा किए गए निस्तारण के बिंदुओं को उनकी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) में सम्मिलित किया जाएगा, जिससे कार्य निष्पादन की पारदर्शी समीक्षा संभव हो सके। अगली विस्तृत समीक्षा 28 फरवरी के उपरांत की जाएगी, जिसमें निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष वास्तविक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।मंडलायुक्त ने कहा कि केवल संख्यात्मक वृद्धि ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है।

प्रयागराज मंडल में कुल 1,06,367 राजस्व वाद लंबित हैं, जिनमें प्रयागराज जनपद में 42,640, प्रतापगढ़ में 30,769, फतेहपुर में 12,313 तथा कौशाम्बी में 8,012 वाद लंबित हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का तीसरा दिवस

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज। रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल पीजी कॉलेज नवाबगंज अटरामपुर प्रयागराज में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन गंगा स्वच्छता अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक श्रृंग्वेरपुर धाम जा करके कार्यक्रम अधिकारी प्रतिमा कुमारी आशुतोष गुप्ता कार्यक्रम संयोजक सपना साहू एवं कृष्ण कुमार दुबे के देखरेख में धाम घाट पर गंगा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ सफाई की गई श्रृंग्वेरपुर के रहने वाले डॉक्टर राम सुमेर जी ने गंगा को स्वच्छ रखने के लिए स्वयंसेवकों को अभिप्रेरित किया और उनके कार्यों की सराहना भी किये विद्यालय के प्राचार्य लखेन्द्र यादव द्वारा बच्चों को अपने आस पास पर्यावरण एवं जल की संरक्षण व स्वच्छता रखने संबंधी बातों को बताएं भोजन प्रबंधन में अटल समूह के स्वयंसेवक हर्षित मौर्या ,अविनाश मौर्य ,अभिषेक विश्वकर्मा, प्रतीक साहू ,जयप्रकाश कोमल विश्वकर्मा, खुशी त्रिपाठी, श्रेया यादव का योगदान कैंप में सराहनीय रहा।

दुकान का ताला तोड़कर कब्जा करने एवं चोरी का आरोप, मुकदमा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्रमें एक दुकान का ताला तोड़कर कब्जा करने एवं चोरी के आरोपित में एफआईआर दर्ज की गयी है। पीड़ित ने सत्यम तिवारी, अंशु, अमित सिंह, अंकित, डेविड विजय पंत एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है।

नैनी मड़ौका निवासी विकास कुमार जायसवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी मोबाइल रिपेयरिंग एवं एसेसरीज की दुकान है। दुकान में वह १७ वर्षों से चला रहे है। तीस सितम्बर २०२६ तक मकान मालिक के साथ लिखित दस्तावेज हैं। आरोप है कि दुकान पर अंकिता सिंह सेल्समैन का कार्य करता था वह हिसाब किताब, सामानों की चोरी व हेरा फेरी करने लगा था जिससे उसने दुकान से निकाल दिया था। उनकी तबीयत खराब होने से दुकान नहीं खोल रहे थे। १८ फररवरी को उक्त आरोपित ताला काटकर दुकान में घुसकर दुकान पर कब्जा करीं लिया और सामनों की चोरी कर ली। दुकान पर लगा बोर्ड हटा दिया गया। आरोप है कि पीड़ित को धमकी दी जा रही है कि दुकान से चले जाओ वरना मारे जाओगे। सिविल लाइंस पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

एसआई को टक्कर मारने वाले बाइक चालक पर एफआईआर

माघमेला के दौरान ड्यूटी पर तैनात एसआई मकबूल खा को टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गयी है।

नवाबगंज निवासी मो. मकबूल खां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह उत्तरी झूंसी में माघमेला के दौरान एसआई के पद पर कार्यरत थे। १५ जनवरी को वह जा रहे थे तभी गायत्री नगर के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे उनके पैर की हड्डी टूट गयी। बाइक पर तीन लोग सवार थे। कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

युवा विकास पार्टी का संघर्ष का नतीजा, सड़क के मरम्मत का कार्य शुरू

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। युवा विकास पार्टी के लंबे संघर्ष के बाद मंसूराबाद आनापुर सकरदहा मार्ग के मरम्मत का कार्य प्रतापगढ़ बॉर्डर हरिकारा का पूरा शकरदहा से प्रारंभ हो गया है। मशीनों का युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम संजीव कुमार द्वारा पूजन किया गया। नारियल फोड़कर सड़क बनवाने का काम प्रारंभ करवाया गया और मिष्ठान वितरण किया गया।

इस अवसर पर युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम संजीव कुमार ने कहा कि यह क्षेत्र की खराब सड़कों में एक थी। क्षेत्र की जनता बहुत दिनों से मांग कर रही थी।

युवा विकास पार्टी ने 2025 में कई बार प्रदर्शन किया। 2026 में भी जिलाधिकारी प्रयागराज से मिलकर मांग की गई। 10 फरवरी को सड़क की तकनीक बदली गई उसके बाद आज काम लगा है।

अखिल भारतीय जीआरपी सम्मेलन में बनाई गई रणनीति

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 7वें अखिल भारतीय जीआरपी प्रमुखों के सम्मेलन में सहभागिता की। सम्मेलन सुश्री सोनाली मिश्रा, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आहूत किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता सतीश कुमार, सीईओ, रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य आर. राजागोपाल, मंजूषा जैन, हरि शंकर वर्मा एवं विवेक कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान एडीजी रेलवे द्वारा उत्तर प्रदेश जीआरपी से जुड़े दीर्घकाल से लंबित एवं अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया, जिनमें उत्तर प्रदेश में जीआरपी बल की संख्या में वृद्धि, जीआरपी कर्मियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, सभी रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कवरेज, रेलवे परिसीमाओं की फेंसिंग, यात्रियों की सुरक्षा हेतु बैगेज स्कैनर की व्यवस्था आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) कर्मचारियों के सत्यापन तथा सभी संविदा कर्मचारियों को फोटो पहचान पत्र जारी किए जाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया। अध्यक्षता कर रहे सतीश कुमार ने जीआरपी से संबंधित सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित किए जाने का आश्वासन दिया।

कानपुर आईटीआई अब बनेगा "हाईटेक स्किल सेंटर"

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'मिशन कौशल' के तहत कानपुर के ऐतिहासिक राजकीय आईटीआई पांडुनगर की तस्वीर बदलने वाली है। वर्ष 1950 में बनी इस संस्थान की पुरानी और जर्जर बिल्डिंग का तीन करोड़ चालीस लाख रुपये की लागत से कायाकल्प शुरू हो गया है। लक्ष्य है छात्रों को महज किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि एक विश्वस्तरीय और आधुनिक वातावरण में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

आईटीआई पांडुनगर के कायाकल्प का खाका केवल रंग-रोगन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे अंदरूनी रूप से पूरी तरह 'अपग्रेड' किया जा रहा है।

संस्थान की पहचान बन चुके पुराने कमरों को अब स्मार्ट और डिजिटल क्लासरूम की शक्ल दी जा रही है, जिससे छात्र पारंपरिक पढ़ाई के बजाय आधुनिक तकनीक से रूबरू होंगे। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समूचे स्टाफ रूम और क्लासरूम परिसर में दशकों पुरानी बिजली लाइनों को उखाड़कर अत्याधुनिक अंडरग्राउंड वायरिंग बिछाई जा रही है, जिससे शॉर्ट सर्किट का खतरा खत्म होगा।

इतना ही नहीं, टिकाऊ फ्लोरिंग तैयार की जा रही है, जो भारी मशीनों और प्रैक्टिकल कार्यों के अनुकूल होगी।

'यूजीसी का रंग चढ़ा चहुंओर होली में ...

कवि सम्मेलन में कविताओं की फुहारों पर झूमे श्रोता

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। हंसवाहिनी एवं संकल्प परिवार के संयुक्त तत्वाधान में 'रंग-व्यंग्य 2026' अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। जागृति चौराहा कालिंदीपुरम में हुए इस कार्यक्रम में कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाएं पेशकर समां बांध दिया। बुधवार को शाम से शुरू कवि सम्मेलन देर तक चला। शुरूआत मां हंसवाहिनी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। बतौर अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, विधायक पूजा पाल, आर्य कन्या ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के चेयरमैन पंकज जायसवाल एवं पूर्व उपाध्यक्ष केपी ट्रस्ट प्रखर श्रीवास्तव का उद्बोधन हुआ। इस दौरान अतिथियों का सम्मान संस्था के महासचिव शैलेंद्र मधुर, सचिव डॉक्टर आभा श्रीवास्तव, केके पांडेय, संजय शेखर पांडेय द्वारा स्मृति चिन्ह देकर किया गया। संस्था की सचिव डॉक्टर आभा मधुर श्रीवास्तव ने माँ हंसवाहिनी की वंदना एवं काव्य पाठ कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। दिल्ली से आए ओज कवि उपेंद्र पांडेय ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं में जोश भर दिया। उन्होंने पढ़ा - 'निगाहें झुकती सजदें में वहाँ सम्मान क्या होगा,
वतन पर जाँ लुटाने से बड़ा बलिदान क्या होगा'
सरहदों पर न्योछावर करके खुद को बस कहा इतना,
तिरंगा खुद लिपटकर नेह दे आराम क्या होगा।'
अयोध्या से आई ऊष्मा सजल ने अपनी मार्मिक रचना पढ़ा - 'अभिवादन अभिनंदन करिए अपने गुरुजन परिजन का, आशीषों का कवच रहेगा सिर पर अपने प्रियजन का।'
प्रख्यात गीतकार शैलेंद्र मधुर ने पढ़ा- 'यूजीसी का रंग का रंग चढ़ा चहुओर होली में,
एसआइआर ने पकड़ा है खूब जोर होली में
लड़ रहे एससी-एसटी फॉरवर्ड रंग लिए हाथों में,
रस्साकसी में खूब मचा है शोर होली में।
कोई संत मानता उनको कोई कहता ढोंगी,
शंकराचार्य भी हुए विवादित शब्द हुआ यह रोगी।' इस दौरान प्रीता बाजपेई, राधेश्याम भारती, अखिलेश द्विवेदी, संजय पुरुषार्थी, राम कैलाश पाल प्रयागी, राजीव नसीब, अमित जौनपुरी, योगेश झमाझम समेत अन्य कवियों की कविता और गीत सराहे गए। इस अवसर पर नीरज त्रिपाठी, डॉ सुशील कुमार सिन्हा, रामजी अग्रहरि, डॉ उमेश सिंह, नीरज सिंह सहित अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

महिला संविदा कर्मी की हत्या के चार आरोपित गिरफ्तार

झांसी। बीते रोज थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई फायरिंग के दौरान गोली लगने से हुई मौत की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस और तलवार बरामद की हैं।

एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि 24 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 2 बजे आरोपितों ने कुसुम और उसके पुत्र राहुल पर गोली चला दी थी। घटना में कुसुम की मृत्यु हो गई, जबकि राहुल का उपचार चल रहा है। इस संबंध में थाना कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 66/2026 धारा 103(1), 109(1), 352, 3(5) बीएनएस तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

बेंगलुरु में खुला अमेज़न का एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस

12 मंजिला, 11 लाख वर्ग फुट का आधुनिक परिसर, एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे

बेंगलुरु। अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजान ने बेंगलुरु में अपना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। नया परिसर 12 मंजिला और 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। यह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसमें भारत में 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल और सहयोगी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अमेज़न ने भारत में अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। नए परिसर को टीम सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एम्फीथिएटर, हरे-भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी क्षेत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैफेटेरिया दो मंजिलों पर फैला है और इसमें वैश्विक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुनः उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह पहल अमेज़न की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति का हिस्सा है। अमेज़न इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार, बेंगलुरु लंबे समय से कंपनी की तकनीकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नया ऑफिस कंपनी के भारत में निरंतर निवेश और विस्तार का प्रतीक है।

ऐपल ने भारत में पीएलआई योजना के तहत 2.5 लाख से अधिक नौकरियां दी

नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक 19-24 वर्ष की महिलाएं शामिल

नई दिल्ली ।

क्यूपर्टिन मुख्यालय वाली एप्पल इंक ने पिछले पांच वर्षों में भारत में 2,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह तेजी से बढ़ती संख्या मोबाइल-फोन विनिर्माण के लिए 2021 में शुरू हुई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण संभव हुई। खास बात यह है कि इन नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई की उम्र 19-24 वर्ष है और यह उनका पहला रोजगार अवसर है। आईफोन के दो मुख्य वेंडर, टाटा समूह और फॉक्सकॉन ने मिलकर लगभग 1,40,000 प्रत्यक्ष नौकरियां प्रदान की हैं, जो योजना के तहत प्रतिज्ञात 1,18,290 नौकरियों से अधिक है।

इसके अतिरिक्त 1,10,000 नौकरियां अन्य भारतीय, विदेशी और संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा दी गई हैं, जो मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी हैं और आईफोन से संबंधित उपकरणों का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों का नेटवर्क भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु और कर्नाटक तक फैला हुआ है। ये कंपनियां मुख्य रूप से आईफोन असेंबली प्लांट को उपकरण और पुर्जे उपलब्ध कराती हैं, जबकि कुछ कंपनियां जैसे जाबिल और एक्रस सीधे ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देती हैं। टाटा समूह के तीन आईफोन प्लांट लगभग 72,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं, वहीं फॉक्सकॉन के दो कारखानों में 70,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पीएलआई योजना के प्रभाव से मोबाइल निर्माण में औसत मासिक वेतन 11,000 से बढ़कर 18,000-20,000 रुपए हो गया। अकेले ऐपल और इसके सहयोगी नेटवर्क में अनुमानित 7,50,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। भारत का स्मार्टफोन निर्यात 2025 में 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर रही।

एनएमपी 2.0 का 16.72 लाख करोड़ मुद्रीकरण जुटाने का लक्ष्य

- योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी 2.0) के दूसरे चरण का अनावरण करते हुए वित्त वर्ष 2026 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य घोषित किया। इस योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादक संपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से पूंजी जुटाना है। सरकार का कहना है कि इससे नई अवसंरचना परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे, बिना राजकोषीय बोझ बढ़ाए।

नीति आयोग के एक वे रिष्ठ अधिकारी के अनुसार एनएमपी 2.0 में राजमार्ग, बिजली, बंदरगाह और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी। कुल लक्ष्य का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा राजमार्ग क्षेत्र से आने की उम्मीद है, जबकि बंदरगाह, कोयला और खनिज क्षेत्रों से भी महत्वपूर्ण योगदान संभावित है। इस चरण में पहली बार पांच वर्षों के दौरान 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश का अनुमान जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2026 में 2.49 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, हालांकि वास्तविक प्राप्ति करीब 2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

योजना में अस्थायी संपत्ति हस्तांतरण, सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी का विनिवेश और नकद प्रवाह का प्रतिभूतिकरण जैसे उपाय शामिल हैं। रेलवे को 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें सात सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू में सरकारी हिस्सेदारी घटाकर 83,700 करोड़ रुपये जुटाने का प्रावधान है। सरकार को उम्मीद है कि एनएमपी 2.0 से बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी।

पीएम सूर्य घर योजना 30 लाख घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 से अब तक देशभर में 30 लाख से अधिक घरों की छतों पर सौर ऊर्जा इकाई लगाई जा चुकी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी।

जोशी ने बताया कि जब एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, तो अनुमानित 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन संभव होगा। इन इकाइयों के 25 साल के जीवनकाल में लगभग 72 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। मंत्री ने कहा कि यह योजना घरेलू बिजली बिल कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्र सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक देशभर में 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित करना है, जिससे टिकाऊ ऊर्जा और

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

बायजूज़ अरबों डॉलर के वैल्यूएशन से कानूनी और वित्तीय संकट तक

- ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हुओ नुकसान

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख एड-टेक कंपनी बायजूज़ कभी 22 अरब डॉलर (लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन तक पहुंची थी। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने कंपनी को तेजी से बढ़ने का अवसर दिया। बायजूज़ ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग में भारी निवेश किया। महामारी के बाद फंडिंग सस्ती नहीं रही और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी की आय को प्रभावित किया। नवंबर 2021 में लिया गया 1.2 अरब डॉलर का टर्म लोन बायजूज़ के लिए चुनौती बन गया। तिमाही ब्याज भुगतान (330 करोड़ रुपए) में चूक के बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ रुपए के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके अलावा बायजूज़ और लेंडर्स के बीच समय से पहले भुगतान और कानूनी कार्रवाई को लेकर भी विवाद चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि 533 मिलियन डॉलर का फंड गायब है, जिससे कंपनी पर विवाद और बढ़ गया है। महामारी के समय में किए गए आक्रामक विस्तार और निवेश की रणनीति अब बायजूज़ के लिए बोझ साबित हो रही है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 4 पैसे कि गिरावट के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे नीचे आकर 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 97.81 पर रहा।

चांदी दो दिन में 16 हजार महंगी, कीमत 2.67 लाख/किलो

सोना 5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम 1.60 लाख का हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार, 24 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। इससे पहले भी चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75 प्रतिशत) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167 प्रतिशत) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

मोक्सी पावर ने तमिलनाडु में 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका हासिल किया

- बिजली आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी

नई दिल्ली । अदाणी पावर की सहायक कंपनी मोक्सी पावर को ते मिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन से पांच वर्षों के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बोली में 5.910 रुपये प्रति यूनिट का सबसे प्रतिस्पर्धी शुल्क प्रस्तावित कर ठेका जीता। यह आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट क्षमता का संयंत्र संचालित करता है। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 18.15 गीगावाट है। संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं, जिससे संचालन और राजस्व में स्थिरता बनी रहती है। अदाणी पावर की परिचालन क्षमता का 95 फीसदी से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। कंपनी का लक्ष्य अगले वर्ष तक सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए लगभग 100 फीसदी पीपीए हासिल करना है। यह रणनीति अल्पकालिक बाजार अस्थिरता के जोखिम को कम करती है और दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करती है। इस ठेके से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होगी। ग्रिड की स्थिरता मजबूत होगी और घरों, उद्योगों एवं व्यवसायों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलेगा।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 1068 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

छह लाख करोड़ से अधिक का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1068.74 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,225.92 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 288.35 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव व्यापक रहा, जिसमें मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक में करीब 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। तेज गिरावट के बीच निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई। इससे निवेशकों को एक ही दिन में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

एआई के संभावित प्रभाव के कारण तकनीकी शेयरों में कमजोरी का रुझान जारी है। भारतीय आईटी कंपनियों के एडीआर में कमजोरी यह संकेत देती है कि यह सेगमेंट दबाव में बना रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का आज बाद में होने वाला स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन और उसमें दिया जाने वाला संदेश वैश्विक बाजारों द्वारा उत्सुकता से देखा जाएगा।

इन कारणों से दिखी गिरावट

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अनिश्चितता के बीच निवेशकों का मनोबल कमजोर बना रहा। यह कमजोरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 10-15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ ढांचे की घोषणा के बाद टैरिफ संबंधी चिंताओं के फिर से उभरने से उत्पन्न हुई है, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास और कंपनियों की आय पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं।

भारत जर्मनी और कनाडा के साथ खनिज सहयोग समझौतों को दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए जर्मनी और कनाडा के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संयुक्त आशय घोषणा को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। जर्मनी के साथ प्रस्तावित समझौते का मुख्य फोकस संयुक्त अन्वेषण, सतत खनन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण होगा। यह भारत को लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत और कनाडा के बीच भी इसी तरह का समझौता प्रस्तावित है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यह कदम महत्वपूर्ण खनिज मिशन और *खनन एवं खनिज (विकास व विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत हाल की नीलामी के अनुरूप है।

आरबीआई ने जारी किया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडेम्पशन कैलेंडर

अगले 6 महीने में 33 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स भुना सकेंगे निवेशक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 23 फरवरी 2026 को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के समय से पहले रिडेम्पशन के लिए कैलेंडर जारी किया। यह सुविधा उन बॉन्ड पर लागू होगी जिनकी रिडेम्पशन तारीख 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच है। निवेशक 22 अक्टूबर 2021 के दिशानिर्देशों के अनुसार, जारी होने की तारीख से 5 साल पूरे होने पर एसजीबी समय से पहले भुना सकते हैं। आरबीआई के शेड्यूल के अनुसार 2018-19 से 2021-22 तक जारी 33 ट्रांच इस छह महीने की अवधि में प्रीमैच्योर रिडेम्पशन के लिए पात्र हैं। सबसे पहला ट्रांच 2018-19 सीरीज-2 है, जो 23 अप्रैल 2026 से भुनाई के लिए खुला रहेगा। आवेदन विंडो 23 मार्च से 13 अप्रैल 2026 तक रहेगी। आखिरी पात्र ट्रांच 2019-20 सीरी-10 है, जिसकी रिडेम्पशन 11 सितंबर 2026 होगी और आवेदन 11 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक होगा। निवेशक आरबीआई के अधिकृत कार्यालयों, डिपॉजिटरी या आरबीआई रिटेल डायरेक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आरबीआई ने कहा है कि अप्रत्याशित अवकाश पर तारीखों में बदलाव हो सकता है। निवेशकों को अपनी ट्रांच की सटीक आवेदन अवधि पर ध्यान देना जरूरी है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन 1,500 एक्सपर्ट्स की करेगा नियुक्ति

- लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) अब केवल कारखानों के निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। संगठन ने 1,500 वैज्ञानिक और विशेषज्ञों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये विशेषज्ञ क्लिनिकल रिसर्च, बायोलॉजिक्स, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग और नियामकीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करेंगे। इनमें से लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे। इस कदम का उद्देश्य दवा मंजूरी और निगरानी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, तेज़ और प्रभावी बनाना है। सीडीएससीओ ने जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। निरीक्षण में उत्पाद की जोखिम स्थिति, पिछली अनुपालन स्थिति और खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखा जाता है। 2022 के अंत से अब तक 1,250 विनिर्माण इकाइयों का ऑडिट किया जा चुका है। स्टाफ की कमी के कारण अब निरीक्षण में अधिसूचित थर्ड-पार्टी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे निगरानी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। कफ सिरप निर्माण क्षेत्र बार-बार गुणवत्ता समस्याओं का केंद्र रहा है। देश में 1,300 कफ सिरप निर्माता हैं, जिनमें से लगभग 1,100 इकाइयों का निरीक्षण हो चुका है। गंभीर कमियों वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को बंद करने का निर्णय लिया गया।

ईपीएफओ निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ जल्द लौटाएगी

- 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 7.11 लाख निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाने का फैसला किया है। यह पहल 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें कुछ खाते 20 साल से पुराने हैं और पिछले तीन साल से इनमें कोई लेनदेन नहीं हुआ है। श्रम मंत्रालय ने इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें ऐसे खातों को चुना गया है जिनमें 0 से 1,000 रुपये तक की राशि है और जो आधार से जुड़े हैं। ईपीएफओ सीधे इन खातों में पैसे ट्रांसफर करेगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर बाकी निष्क्रिय खातों में भी इसी तरह राशि लौटाई जाएगी। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी योजना है। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन का 12 फीसदी योगदान करते हैं, जबकि नियोक्ता भी उतना ही योगदान करता है। यदि किसी खाते में तीन साल तक कोई लेनदेन नहीं होता तो उसे निष्क्रिय घोषित किया जाता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईपीएफओ सदस्य अपना पैसा आसानी से निकाल सकें। हालांकि, छोटे-छोटे निष्क्रिय खातों में फंसी राशि प्रशासनिक

जिम्मेदारियों और वित्तीय जवाबदेही में चुनौती पैदा करती है। हजारों करोड़ रुपये ऐसे निष्क्रिय खातों में फंसे हुए हैं क्योंकि लोग कम राशि निकालने के लिए आने-जाने की झंझट से बचते हैं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर, ईपीएफओ धीरे-धीरे बाकी निष्क्रिय खातों में भी यह प्रक्रिया लागू करेगा। इससे खाताधारकों का पैसा सुरक्षित तरीके से लौटाया जाएगा और निष्क्रिय खातों का बोझ भी कम होगा।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

-सैमसन को मिले अवसर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं क्योंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइव ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में

ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट । स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा ।बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टी20 वर्ल्डकप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपट पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ढ्ढ में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग ड्ढ में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी

अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

आयरन की कमी से जूझती आधुनिक महिलाएं

संतुलित जीवनशैली ऐसी चीज है, जिसके बारे में अनेक महिलाओं के लिये बातें करना बहुत आसान होता है लेकिन जब इसे जीवन में लागू करने की बात आती है तो यह बहुत कठिन होता है। आधुनिक भारतीय कामकाजी महिलाएं तनावपूर्ण जिंदगी और थकाने वाली जिम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए ताउम्र चलती हैं। सुबह उठकर नाश्ता बनाने से लेकर, बच्चों का लंच, उन्हें तैयार कर स्कूल भेजना, पति को दफ्तर जाने के लिये तैयार करती हैं और खुद समय पर अपने ऑफिस पहुंचने के लिये भागदौड़ करती हैं। शाम को थकी-मांदी घर लौटती हैं और रसोई के काम में जुट जाती हैं, रात का भोजन तैयार करती है, बच्चों को होम वर्क कराती हैं और अगले दिन की तैयारी करती हैं।

इस थकान का असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। यही वजह है कि अधिकतर महिलाएं एनीमिया (खून में हीमोग्लोबिन का कम स्तर) ग्रस्त हो जाती है। इस कारण शरीर में ऑक्सीजन के स्तर में कमी आ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप हमेशा थकान महसूस होती है। एनीमिया विश्व भर में सामान्य समस्या है, जिससे दुनिया भर में 40 करोड़ महिलाएं ग्रस्त हैं।

भारत सरकार के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन एफ एच एस) की आर से 2006 में किये गये सर्वेक्षण के अनुसार हर दो में से एक महिला एनीमिया से पीड़ित है और 15 से 49 वर्ष के आयु वर्ग में 39 प्रतिशत भारतीय महिलाएं मामूली एनीमिया से गस्त हैं। इसका मतलब यह हुआ कि भारत में प्रजनन आयु वर्ग की कुल साढ़े ग्यारह करोड़ महिलाएं एनीमियाग्रस्त हैं। इंडियन जर्नल आफ कम्युनिटी मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट से यह तथ्य उजागर हुआ है कि केवल आयरन एवं फोलिक एसिड के सप्लीमेंट का सेवन एनीमिया को रोकने या उसे दूर करने के लिहाज से अपर्याप्त है। एनीमिया से बचने तथा इसे दूर करने के लिये रक्त निर्माण करने वाले (हीमोपोएटिक) पोषक तत्वों का सेवन उतना ही महत्वपूर्ण है। आयरन के अलावा ऐसे अन्य पोषक तत्व भी हैं, जो एनीमिया से या तो बचा सकते हैं या उसे कम कर सकते हैं। इन पोषक तत्वों में विटामिन बी 6, विटामिन बी 2, विटामिन बी 12, विटामिन सी, फ्लोएट और प्रोटीन शामिल हैं। ये पोषक तत्व रक्त निर्माण (हीमोपोएसिस) की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इन तत्वों को हीमोपोएटिक पोषक तत्व का नाम दिया गया है।

समुचित आहार के साथ जरूरी है कि आहार को सही तरीके से लिया जाये। ज्यादातर महिलाएं यह नहीं जानतीं कि भोजन के साथ चाय, काफी या कोला का सेवन करने से आयरन पचाने की शरीर की क्षमता घट जाती है और इससे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है। भारत में आमतौर पर खाये जाने वाले भोजन में मुख्य तौर पर अनाज होते हैं जिसमें फायटेट नामक पदार्थ होते हैं, ये आयरन पचाने की शरीर की क्षमता घटाते हैं। भोजन के साथ विटामिन सी युक्त फलों एवं सलाद का सेवन करना लाभदायक होता है क्योंकि ये आयरन पचाने की शरीर की क्षमता को बढ़ाते हैं।

अधिकतर महिलाएं थकावट, खराब त्वचा, बेजान बाल, गुस्सैल प्रवृत्ति और एकाग्रता में कमी जैसे स्पष्ट लक्षणों की भी अनदेखी करती हैं क्योंकि वे मानती हैं कि ये सभी आधुनिक व्यस्त जीवन के अभिन्न हिस्से हैं। सभी आवश्यक हीमोपोएटिक पोषक तत्वों से भरपूर पोषक सप्लीमेंट्स की समुचित खुराक को नियमित रूप से लेने से इन पोषण तत्वों की रोजाना की कमी का सामना करने में मदद मिलती है। आदर्श सप्लीमेंट वह है, जिसमें शरीर के रोजाना की कार्यप्रणाली के लिये जरूरी अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के साथ-साथ हीमोपोएटिक पोषक तत्व वांछित स्तर तक मौजूद हों।

मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है भोजन

भोजन का संबंध न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य से है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी है। अमेरिका में हुए शोधों से पता चला है कि हमारा मानसिक स्वास्थ्य काफी हद तक भोजन पर ही निर्भर करता है। डिप्रैशन आदि मनोरोग किसी पौष्टिक तत्व के अभाव में भी हो सकते हैं या किसी खाद्य पदार्थ से एलर्जी के कारण भी। एक शोध में विशेषज्ञों ने डिप्रैशन से पीड़ित कुछ लोगों पर प्रयोग किया और पाया कि उन व्यक्तियों में डिप्रैशन की वजह गेहुं से एलर्जी थी।

हेल्थ प्लस

किडनी रोगों से बचाता है विटामिन डी

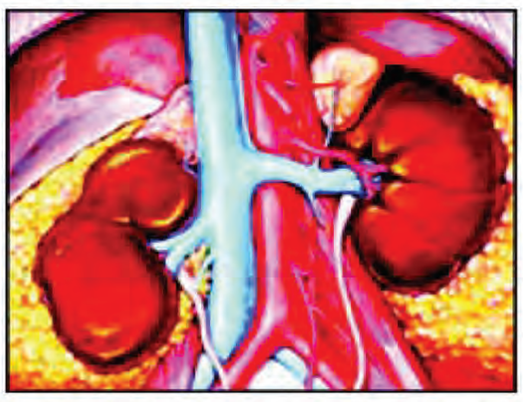

किडनी संबंधी जटिल बीमारियों (सीकेडी) की चपेट में आने से होने वाली मौतें विटामिन डी के सेवन से कम हो सकती है। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने इस संबंध में खुलासा किया है। किडनी संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतें विटामिन डी के सेवन से चार गुना कम हो सकती है। वाशिंगटन विश्वविघालय के शोधकर्ताओं ने 1,418 किडनी रोगियों पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल रोगियों में हड्डियों को कमजोर करने वाला रोग 'हाईपरपाराथाइरायड' भी पाया गया था। रोगियों में पाराथाइरायड हॉरमोन स्तर को बढ़ाने के लिए विटामिन डी की खुराक दी गई। अध्ययन दल में शामिल ब्रायन केस्टेनबाउम ने कहा कि किडनी संबंधी बीमारियों के चपेट में आने वाले रोगियों पर दो वर्षों तक अध्ययन किया गया। रोगियों के दो समूहों में से एक को पाराथाइरायड हॉरमोन को नियंत्रित करने के लिए कोलेस्ट्रॉल दिया गया। विटामिन डी युक्त कोलेस्ट्रॉल का रोगियों पर सकारात्मक असर दिखा।

छोटा सा तिल,गुण हैं अनमोल

तिल शब्द का अर्थ ही है तेल या तरल वसा। तिल के बीजों में तेल का प्रतिशत सर्वाधिक होता है। तेल के अतिरिक्त तिल कार्बोहाइड्रेट व प्रोटीन का भी अच्छा स्त्रोत हे। काले तिलों में तुलनात्मक रूप से प्रोटीन अधिक व कार्बोहाइड्रेट कम मात्रा में पाया जाता है। तिल का प्रयोग अल्प मूत्र, घाव भरने के लिए, चर्म रोगों में, कृमिनाशक के रूप में, संधिवात, केश वृद्धि के लिए। रक्तातिसार व कुपचन में लाभकारी होता है। तिल में कैल्शियम अधिक होने के कारण इसका प्रयोग दांतों के लिए लाभकारी होता है। प्रतिदिन 25 ग्राम तिल चबाकर खाने से दांत मजबूत होते हैं। इसके साथ ही मुंह में 5-10 मिनट तिल भरकर रखने से पायरिया भी ठीक होता है। तिल के सेवन से स्मरण शक्ति, ग्रहण शक्ति व बुद्धि का विकास होता है।

मसढ़ों की बीमारी से हो सकता है कैंसर

दांतों और मसूढ़ों का स्वस्थ न होना किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या की आर इशारा करता है। एक अध्ययन में दावा किया गया है कि मसूड़ों की बीमारी कैंसर का जोखिम बढ़ने का संकेत हो सकती है। इंपीरियल कालेज लंदन के अनुसंधानकर्ताओं के दल ने पाया है कि मसूड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों में फेफड़े, किडनी, खून और अग्नाशय का कैंसर होने की आशंका बढ़ती है। मसूड़ों की बीमारी से परेशान धूम्रपान करने और न करने वाले दोनों लोगों में कैंसर की आशंका अधिक होती है। लानसेट आन्कोलाजी जर्नल में प्रकाशित खबर के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता डा. डोमिनीक मिस्ज्यूड का कहना है कि मसूड़ों में लगातार तकलीफ बनी रहना रोक प्रतिरोधक क्षमता के कम होने और कमजोरी के बढ़ने का संकेत है। अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं के दल ने 50 हजार लोगों के स्वास्थ्य रिकार्ड की जांच में पाया कि जिन लोगों का मसूड़ों की बीमारी का इतिहास रहा है उन्हें कैंसर होने की संभावना 14 प्रतिशत अधिक होती है बनिस्पत उन लोगों के जिनका इतिहास मसूड़ों की बीमारी का नहीं रहा है। मसूड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों में फेफड़ों के कैंसर के साथ यकृत कैंसर और अग्नाशय कैंसर की आशंका 50 प्रतिशत बढ़ती है तथा ल्यूकेमिया जैसा रक्त कैंसर होने की संभावना तीस प्रतिशत अधिक होती है। अध्ययन के अनुसार धूम्रपान न करने वाले लोगों में फेफड़ों के कैंसर की आशंका में तो कोई वृद्धि नहीं होती पर अन्य प्रकार का कैंसर होने का जोखिम थोड़ा बढ़ जाता है। मसूड़ों के लंबे समय तक रोगग्रस्त रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली में परिवर्तन आते हैं जिस कारण कैंसर के जोखिम में वृद्धि होती है।

मछली का तेल बनाता है बच्चों को चुस्त दुरूस्त

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा परीक्षा में बेहतर करे, तो आप अपने बच्चों को रोज मछली के तेल का खुराक दीजिए। यह आपके बच्चों की मदद कर सकता है। जी हां, एक नये शोध में यह बात सामने आयी है मछली का तेल बच्चों को चुस्त बनाता है।

ब्रिटेन में अनुसंधानकर्ताओं ने एक अध्ययन में यह पाया है कि जो बच्चे नियमित रूप से मछली के तेल का खुराक लेते हैं वह परीक्षाओं में बेहतर कर सकते हैं। यह उनकी मानसिक क्षमता को भी बढ़ाता है। अनुसंधानकर्ताओं ने अपना अध्ययन ब्रिटेन के तीन हजार ऐसे बच्चों पर किया जो नियमित रूप से पिछले छह महीने से रोज मछली कैप्सूल ले रहे थे। ये बच्चे परीक्षा में भी आगे रहे हैं।

इस अनुसंधान की तुलना उन बच्चों से की गयी जो इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थे। मछली तेल का खुराक लेने नहीं लेने वाले बच्चों की तुलना में इसका सेवन करने वाले बच्चे उनकी परीक्षाओं में पहले की अपेक्षा दो स्थान उपर चले गए। वैज्ञानिकों ने लेकिन इस प्रयोग को खारिज कर दिया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू

कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आयामों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली -3811

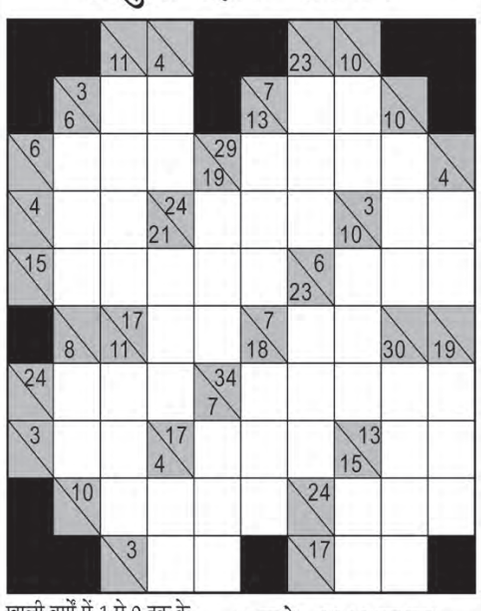

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

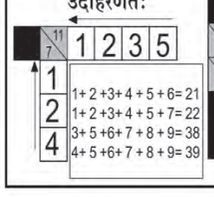

काकुरो - 3810 का हल

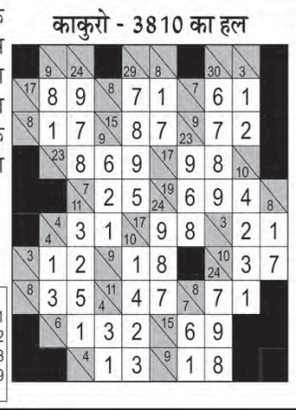

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 3811

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3810

र	हु	ल		ना		गै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रो	श	नी		नी	तू	

सूडोकु -3811

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3810 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 3811

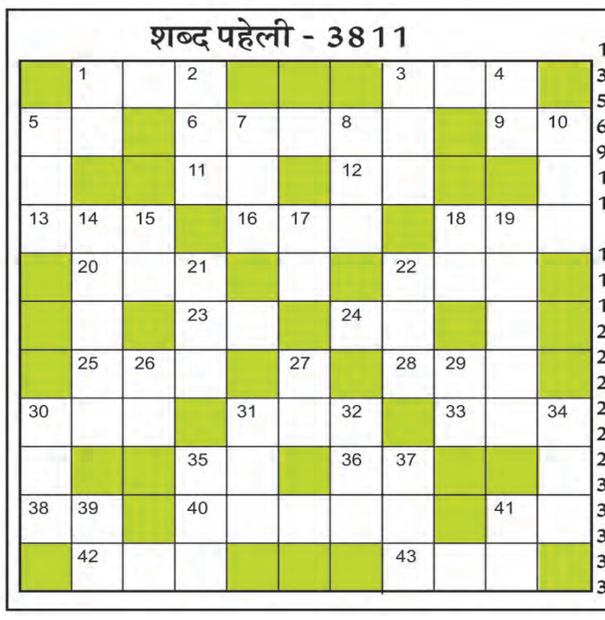

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर,करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत,दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन,पगार-3
16. मनोनीत,नामकृत-3
18. बंधक,गिरवी वस्तु-3
20. निशा,रात्री-3
22. वचन,प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य,कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार,फटकार-3
30. हवा,पवन-3
31. झाझर,कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर,भूत-2
40. परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान,खजांची-3
4. पैगंबर,रसूल-2
5. झूठ,मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम,मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा,दोस्त-2
18. मजा,आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः,वापस-2
27. मर्करी,पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त,टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा,विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -3810 का हल

का		बु	आ		द		स	ख		मु
र	क		कु	क	र	मु	ना		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शं	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				वे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ई		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	वि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी